माघ कृष्ण - 12 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 19 ■ अंक - 193 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » बुधवार » 07-02-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 विधायकों की खरीद-फरोख्त के प्रयास पर सख्त कार्रवाई की जाएगी : सम्राट चौधरी

6 दुनियाभर में बढ़ रही जंगलों में आग की घटनाएं

7 राहुल गांधी असफल हो चुके हैं, उन्हें कोई स्वीकार नहीं कर रहा : पाठक

मोदी सरकार की गारंटी

स्वरोजगार से महिला स्वावलंबन को बल

10 करोड़ से अधिक महिलाएं स्वयं सहायता समूहों से जुड़ीं;
3 करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का संकल्प

अधिक जानकारी के लिए स्कैन करें

हमारा संकल्प विकसित भारत

भारत सरकार

cbc 22201/13/0254/2324

07-02-2024 सूर्यास्त 6:22 बजे | 08-02-2024 सूर्योदय 6:44 बजे

BSE	NSE
72,186.09	21,929.40
(+454.67)	(+157.70)

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

राम के वंशज

जिसको है प्यार अयोध्या से,
हम देते हैं सम्मान उन्हें।
हम सभी राम के ही वंशज,
जब मान लिया भगवान उन्हें।
हैं रामदीन भी नाम यहां,
धर्मों से मत यूं जान उन्हें।
घट-घट में राम विराजित है,
ले देख जरा पहचान उन्हें।।

हर व्यक्ति को लाभ पहुंचाना ही, सही धर्मनिर्पेक्षता, सामाजिक न्याय : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पणजी/एजेन्सी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि उनके लिए सच्ची धर्मनिर्पेक्षता और सच्चे सामाजिक न्याय का अर्थ है कि हर पात्र व्यक्ति को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित हो और उनकी सरकार इसकी गारंटी देती है।

मोदी 'विकसित भारत, विकसित गोवा 2047' कार्यक्रम के अंतर्गत राज्य में 1,330 करोड़ रुपये की विभिन्न योजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण करने के बाद एक सार्वजनिक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इन योजनाओं में गोवा में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के स्थायी कैंपस, और राष्ट्रीय जलक्रीडा संस्थान के नये कैंपस का उद्घाटन तथा दस करोड़ लीटर के दैनिक क्षमता के जलशोधन संयंत्र की आधारशिला भी शामिल है। उन्होंने रोजगार मेला कार्यक्रम के तहत सरकार के विभिन्न विभागों में चुने गये 1930 अभ्यर्थियों को नियुक्त पत्र भी वितरित किये।

'विकसित भारत, विकसित गोवा 2047' कार्यक्रम के अंतर्गत गोवा में 1,330 करोड़ रुपये की विभिन्न योजनाओं का मोदी ने शिलान्यास और लोकार्पण किया

प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम में हर घर नल से जल, बिजली कनेक्शन, रसोई गैस कनेक्शन और हर घर में शौचालय की सुविधा जैसी योजनाओं का उल्लेख करते हुये कहा, जब सैचुरेशन होता है (जब सभी लोग संतृप्त होते हैं) तो लोगों को अपना हक पाने के लिए रिश्वत नहीं देनी होती। इसलिए मैं बार-बार कहता हूं कि सैचुरेशन ही सच्चा सेकुलरिज्म (धर्मनिर्पेक्षता) है। सैचुरेशन ही सच्चा सामाजिक न्याय है। यही सैचुरेशन, गोवा को, देश को, मोदी की गारंटी है।

मोदी ने कहा, कुछ दिन पहले जो बजट आया है, उसमें भी संम्पूर्ण संतृप्ति के, गरीब से गरीब की सेवा के हमारे संकल्प को मजबूती दी है। आप जानते हैं कि हमने चार करोड़ गरीब परिवारों को पक्का मकान देने का लक्ष्य पूरा कर लिया। अब हमारी गारंटी है कि दो करोड़ और परिवारों को घर बनाकर के देंगे।

राकांपा का नाम, घड़ी चुनाव निशान अजीत पवार गुट को मिला

नई दिल्ली/एजेन्सी। निर्वाचन आयोग ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नाम और चुनाव निशान पर अजीत पवार गुट का दावा मंजूर किया है। आयोग के एक प्रवक्ता ने मंगलवार को कहा, छह महीने से अधिक समय में 10 से अधिक तारीखों पर सुनवाई के बाद अजीत पवार को राकांपा का नाम और निशान आवंटित किया गया है। अजीत पवार और शरद पवार खेमे के बीच विवाद पर 140 पृष्ठ के फैसले में मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार, आयुक्त अनूप चंद पांडेय और अरुण गोयल ने कहा है कि अजीत पवार गुट को राकांपा का घड़ी चिह्न इस्तेमाल करने की छूट होगी। मुख्य निर्वाचन आयुक्त सहित तीनों आयुक्तों के हस्ताक्षर से मंगलवार शाम जारी निर्णय में आयोग अजीत पवार गुट की उस अर्जी को विधायिका में बहुमत के सिद्धांत के आधार पर स्वीकार किया है जिसमें उन्होंने नाम और चुनाव चिह्न का दावा किया था।

उत्तराखंड विस में यूसीसी विधेयक पेश, बहु विवाह, हलाला पर रोक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य विधानसभा में मंगलवार को बहुप्रतीक्षित समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक पेश कर दिया जिसमें बहुविवाह और 'हलाला' जैसी प्रथाओं को आपराधिक कृत्य बनाने तथा 'लिव-इन' में रह रहे जोड़ों के बच्चों को जैविक बच्चों की तरह उत्तराधिकार दिए जाने का प्रावधान है।

यूसीसी विधेयक को पारित कराने के लिए बुलाए गए विधानसभा के विशेष सत्र के दूसरे दिन पेश 'समान नागरिक संहिता, उत्तराखंड-2024' विधेयक में धर्म और समुदाय से परे सभी नागरिकों के लिए विवाह, तलाक, उत्तराधिकार, संपत्ति जैसे विषयों पर एक समान कानून प्रस्तावित है।

सूचना व जनसम्पर्क विभाग

श्री डी.के. शिवकुमार
माननीय उप मुख्यमंत्री

मेरे लोग... मेरा गौरव

राज्य स्तरीय जनस्पंदना

माननीय मुख्यमंत्री
श्री सिद्धरामैया द्वारा

फरवरी 2024
गुरुवार
08

विधानसौधा के सामने
सुबह 10.00 बजे से शाम 6.00 बजे तक

ऑनलाइन पंजीकरण के लिए 1902

नोट : नागरिक जो कि जनस्पंदना में अपना निवेदन जमा कराना चाहते हैं, कृपया अपना पहचान पत्र जैसे आधार कार्ड या मतदाता पत्र साथ लेकर आवें।

कर्नाटक सरकार
गारंटी
सरकार

FREE BUS Service for women across Karnataka
Gruha Jyothi Up to 200 Units of Free Electricity to each home
Anna Bhagya 10kg Free Food Grains (per person / per month)
Gruha Lakshmi ₹2000 per month to female head of the family
Yuva Nidhi ₹3000 Per month for Graduates | ₹1500 Per month for Diploma Holders

As enshrined in our Constitution - to safeguard public property and to abjure violence is the fundamental duty of every citizen of India.

CMofKarnataka https://dipr.karnataka.gov.in/

karnataka information

मुद्रास्फीति अब संतोषजनक स्तर पर, मूल्यवृद्धि रोकने के लिए उठा रहे हैं कदम : सीतारमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को कहा कि विशेषकर जल्दी खराब होने वाली वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि को रोकने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों के चलते मुद्रास्फीति संतोषजनक सीमा के भीतर आ गई है। राज्यसभा में एक सवाल का जवाब देते हुए सीतारमण ने कहा कि भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बीएआरसी) प्याज को लंबे समय तक सुरक्षित रखने के लिए गामा किरणों के माध्यम से इसे नमीमुक्त करने पर सरकार के साथ काम कर रहा है। उन्होंने कहा, सरकार उन कठिनाइयों से अवगत है, जो खराब होने वाली वस्तुओं की कमी के कारण उत्पन्न होती हैं, जो भारत में नहीं उगाई जाती हैं। समिति समय-समय पर बैठती है और समीक्षा करती है, और प्रयासों से जमीन पर पता चला है कि मुद्रास्फीति अब सहनीय सीमा के भीतर है।

भारत की खुदरा मुद्रास्फीति अप्रैल-दिसंबर, 2022 में औसतन 6.8 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2023 की इसी अवधि में 5.5 प्रतिशत रह गई है। खुदरा मुद्रास्फीति अब स्थिर है और चार प्रतिशत (दो प्रतिशत घट-बढ़ के साथ) के संतोषजनक स्तर पर है। वित्त मंत्री ने कहा कि प्याज की कीमतों में अस्थिरता को रोकने के लिए सरकार ने इसके बफर आकार को वर्ष 2020-21 के एक लाख टन से बढ़ाकर वर्ष 2023-24 में सात लाख टन कर दिया है। तीन फरवरी, 2024 तक कुल 6.32 लाख टन प्याज की खरीद की गई और 3.96 लाख टन ग्रेड-ए प्याज खुदरा बिक्री, ई-नाम नीलामी और थोक बिक्री के माध्यम से जारी किया गया। उन्होंने कहा, मौजूदा समय में कदम उठाए जा रहे हैं ताकि प्याज जैसी बहुत जल्दी खराब होने वाली वस्तुओं के संरक्षण स्तर में सुधार किया जा सके। उन्होंने कहा कि सरकार ने विशेष रूप से जल्दी खराब होने वाली वस्तुओं की आपूर्ति में कमी को पूरा करने के लिए कई कदम उठाए हैं।

सीतारमण ने कहा कि भारत ने कैलेंडर वर्ष 2023 में 8.79 लाख टन तुअर दाल और 15.14 लाख टन मसूर दाल का आयात किया है। इसी तरह, देश ने अन्य दालों का आयात किया और उन्हें बाजार में उतारा। सीतारमण ने कहा, चूंकि हम देश में पर्याप्त दालें नहीं उगाते हैं और आपूर्ति में कमी के कारण, दालों की कीमतों में आम तौर पर उतार-चढ़ाव होता रहता है, जिसके लिए फसल अनुमानों का विश्लेषण करके हम आयात के लिए समझौता करना शुरू करते हैं। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा मुद्रास्फीति- दिसंबर 2023 में 5.69 प्रतिशत पर थी।

मोदी की तेल, गैस कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों के साथ बैठक, निवेश पर हुई चर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेतुल (गोवा)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को तेल एवं गैस कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों के साथ बैठक की और दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था भारत में उपलब्ध अवसरों और अन्वेषण एवं उत्पादन की दिशा में उठाए गए कदमों से अवगत कराया।

जानकार सूत्रों ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने एक्सॉनमोबिल और बीपी से लेकर कतरएनर्जी और टोटलएनर्जीज जैसी दिग्गज ऊर्जा कंपनियों के लगभग 20 शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात की और उनके साथ ऊर्जा परिदृश्य एवं निवेश अवसरों को लेकर चर्चा की।

इस दौरान प्रधानमंत्री ने भारत में तेल और गैस की खोज एवं उत्पादन में निवेश के लिए वैश्विक दिग्गजों की तलाश के लिए हाल ही में शुरू किए गए अन्वेषण लाइसेंसिंग चरण का भी उल्लेख किया।

सूत्रों के मुताबिक, मोदी ने तेल और गैस क्षेत्र में सरकार के स्तर पर किए गए सुधारों के बारे में बात की। इसमें तेल और गैस क्षेत्रों के लिए राजस्व-आधारित बोली की जगह अन्वेषण-केंद्रित बोली को अपनाने का जिक्र भी शामिल है। दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऊर्जा उपभोक्ता भारत अपनी 85 प्रतिशत जरूरतें आयात से पूरी करता है। लेकिन सरकार इस आयात को कम करने के लिए इनका घरेलू उत्पादन बढ़ाना चाहती है।

बैठक में वेदांता के चेयरमैन अनिल अग्रवाल के साथ रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल थे।

अग्रवाल ने बैठक का ब्योरा देने से इनकार करते हुए पीटीआई-भाषा से कहा कि तेल एवं गैस उद्योग से जुड़े सभी लोग वहां मौजूद थे। इस दौरान प्रत्येक कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) ने अपनी बात रखी।

वेदांता के चेयरमैन ने कहा, मैंने कहा कि भारत वैश्विक स्तर पर निवेश करने के लिए सबसे अच्छी जगह है। हाल में किए गए सुधारों ने इसे आकर्षक बनाया है और प्रमुख वैश्विक कंपनियों को भारत में खोज और उत्पादन में निवेश करना चाहिए।

मोदी वैश्विक तेल एवं गैस विशेषज्ञों और सीईओ के साथ विचार-मंथन बैठकें आयोजित करने के लिए भारतीय ऊर्जा सप्ताह (आईईडब्ल्यू) के साथ इसके पुराने स्वरूप सेरावीक का भी इस्तेमाल करते रहे हैं। उन्होंने इस तरह की आधा दर्जन से अधिक बैठकें की हैं।

केंद्रीय सशस्त्र पुलिसबलों में 41 हजार महिला कर्मी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने मंगलवार को लोकसभा को बताया कि केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) जैसे केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में 41,606 महिला कर्मी हैं।

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में महिला कर्मियों की भर्ती को प्रोत्साहित करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों और असम राइफल्स (एआर) में महिला कर्मियों की मौजूदा संख्या 41,606 है। सभी केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों - सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), भारत तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी), सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) और असम राइफल्स (एआर) में कुल लगभग 10 लाख कर्मी है। मंत्री ने कहा कि प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से व्यापक प्रचार करके भर्ती अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को आवेदन शुल्क के भुगतान से छूट दी गई है।

उन्होंने कहा कि इसके अलावा, बलों में भर्ती के लिए महिला अभ्यर्थियों को शारीरिक मानक परीक्षा (पीएसटी) और शारीरिक दक्षता परीक्षा (पीईटी) में छूट दी गई है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के तहत मातृत्व अवकाश और शिशु देखभाल अवकाश जैसी पहले से उपलब्ध सुविधाएं इन बलों की महिला कर्मियों पर भी लागू होती हैं।

हरियाणा सरकार निजी कोचिंग संस्थानों को विनियमित करने के लिए बना सकती है कानून

चंडीगढ़/भाषा। हरियाणा सरकार निजी कोचिंग संस्थानों के कामकाज को विनियमित करने, भ्रामक विज्ञापनों और छात्रों के बीच बढ़ते तनाव जैसे मुद्दों के समाधान के लिए एक कानून बनाने की तैयारी में है।

राज्य सरकार ने पिछले महीने हरियाणा कोचिंग संस्थान (नियंत्रण और विनियमन) विधेयक, 2024 का एक मसौदा सार्वजनिक पटल पर रखा था तथा इस संबंध में हितधारकों और जनता से प्रतिक्रिया मांगी थी।

सूत्रों ने बताया कि विधेयक को 20 फरवरी से शुरू होने वाले आगामी बजट सत्र में पेश किए जाने की संभावना है। विधेयक में निजी कोचिंग संस्थानों के नियंत्रण और विनियमन के साथ उन्हें पंजीकृत करने एवं विनियमित करने का प्रावधान है। इसके साथ ही कोचिंग संस्थानों की अध्ययन सामग्री की लागत तथा अन्य शुल्कों की निगरानी का भी प्रावधान है।

नवी मुंबई में निर्माणाधीन इमारत में आग लगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

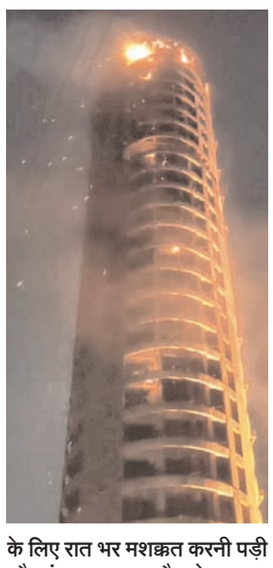

ठाणे/भाषा। महाराष्ट्र के नवी मुंबई में एक निर्माणाधीन व्यावसायिक इमारत में आग लग गई जिस पर अग्निशमन विभाग ने रात भर चले अभियान के बाद मंगलवार सुबह काबू पा लिया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि शिरावने में महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम (एमआईडीसी) इलाके में मौजूद इमारत की 28वीं मंजिल पर सोमवार शाम आग गई।

उन्होंने कहा कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि इमारत की सबसे ऊपरी मंजिल पर लकड़ी के स्लैब में आग लगी थी जिस पर काबू पाने के लिए दमकल की पांच गाड़ियों को घटनास्थल पर भेजा गया। अधिकारी ने बताया कि आग बुझाने के लिए रात भर मशक्कत करनी पड़ी और मंगलवार सुबह नौ बजे तक यह नियंत्रण में आ गई। उन्होंने कहा कि आग के कारणों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

एचडीएफसी बैंक कर रहा पेटीएम से बातचीत, हालात पर नजर: शीर्ष अधिकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की पाबंदियों के चलते मुश्किल में फंसा वित्तीय-प्रौद्योगिकी मंच पेटीएम संकट से बाहर निकलने की कोशिश में निजी क्षेत्र के सबसे बड़े कर्जदाता एचडीएफसी बैंक के साथ भी बातचीत कर रहा है।

बैंक के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एचडीएफसी बैंक के कंट्री प्रमुख (भुगतान) पराग राव ने कहा कि बैंक स्वीकृति और एग्रीगेटर क्षेत्र में अपनी साझेदारी को देखते हुए भी पेटीएम के साथ बातचीत कर रहा है। हालांकि, उन्होंने कहा कि बैंक इस मामले में 'इंतजार करो और देखो' की नीति पर चल रहा है।

रिजर्व बैंक की पाबंदियों के बाद पेटीएम ने कई बड़े बैंकों से समर्थन के लिए संपर्क साधा है। इसी सिलसिले में वह एचडीएफसी बैंक के साथ भी बातचीत कर रहा है।

इस बारे में पूछे जाने पर राव ने कहा, पेटीएम हमारे स्वीकृति व्यवसाय, हमारे एग्रीगेटर व्यवसाय के लिए वर्षों से साझेदार रहा है। मौजूदा हालात में हमें अधिक मालूम नहीं है कि क्या हो रहा है। लेकिन हम बात कर रहे हैं, इंतजार कर रहे हैं और देख रहे हैं कि घटनाएं किस तरह घटती हैं।

हालांकि, राव ने स्पष्ट किया कि पेटीएम के साथ एचडीएफसी बैंक की साझेदारी मूल कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस के साथ है, पेटीएम पेमेंट्स बैंक के साथ नहीं।

शाह की मौजूदगी में पीसी जॉर्ज की पार्टी का भाजपा में होगा विलय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोट्टायम (केरल)/भाषा। केरल जनपक्षम (सेक्युलर) के प्रमुख पी. सी. जॉर्ज ने मंगलवार को यहां कहा कि 13 फरवरी को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में आधिकारिक तौर पर उनकी पार्टी का भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में विलय हो जाएगा।

जॉर्ज ने यहां आयोजित संवाददाता सम्मेलन में यह घोषणा की और कहा कि उस दिन उनकी पार्टी की राज्य समिति के 112 सदस्यों को भाजपा की सदस्यता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि विलय केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम में होगा, जहां शाह अगले सप्ताह पहुंचेंगे। जॉर्ज ने यह भी कहा कि आने वाले दिनों में भाजपा में बड़ी संख्या में लोग आएंगे। उन्होंने कहा, केरल में वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में अच्छा जीवन और नौकरी चाहने वाले सभी लोग भाजपा में चले जाएंगे। इसमें कोई संदेह नहीं है। सूत्रों ने बताया कि 31 जनवरी को जॉर्ज और उनके बेटे शॉन को भाजपा की सदस्यता दी गई थी और उनकी पार्टी का अभी तक आधिकारिक तौर पर भाजपा में विलय नहीं हुआ है।

उच्च न्यायालय ने आचार संहिता उल्लंघन मामले में केजरीवाल को जारी समन रद्द किया

पणजी/भाषा। बंबई उच्च न्यायालय की गोवा पीठ ने आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के एक कथित मामले में मजिस्ट्रेट द्वारा आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को जारी किये गए समन को मंगलवार को रद्द कर दिया।

पार्टी की गोवा इकाई के प्रमुख अमित पालेकर ने पीटीआई-भाषा से कहा कि उच्च न्यायालय ने 2017 के गोवा विधानसभा चुनाव के दौरान दिल्ली के मुख्यमंत्री के खिलाफ दायर एक शिकायत पर उन्हें जारी समन को रद्द कर दिया। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी (जेएफएमसी) मापुसा ने केजरीवाल को लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम और रिश्वतखोरी से संबंधित भारतीय दंड संहिता की धारा 171 (ई) के तहत उनके खिलाफ दायर आरोप पत्र के संबंध में तलब किया था। पालेकर पेशे से एक वकील भी हैं।

पीएम किसान के तहत राशि 6,000 रुपए प्रतिवर्ष से बढ़ाने का कोई प्रस्ताव नहीं : अर्जुन मुंडा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने मंगलवार को लोकसभा को सूचित किया कि उसके पास पीएम-किसान योजना के तहत किसानों की दी जाने वाली आर्थिक सहायता को 6,000 रुपए प्रतिवर्ष से बढ़ाने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। केंद्रीय कृषि मंत्री अर्जुन मुंडा ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि योजना के तहत महिला किसानों के लिए भी राशि बढ़ाने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना 2019 में शुरू की गई थी जिसके तहत पात्र किसानों को हर चार महीने में 2,000 रुपए की तीन समान किस्तों में प्रति वर्ष 6,000 रुपए का वित्तीय लाभ प्रदान किया जाता है। यह धनराशि सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में डाली जाती है।

उनसे प्रश्न पूछा गया था कि क्या सरकार की योजना इस राशि को बढ़ाकर 8,000-12,000 रुपए प्रतिवर्ष करने की है? इस पर मुंडा ने अपने उत्तर में कहा, कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार ने इस योजना के तहत अब तक 15 किस्तों में 11 करोड़ से अधिक किसानों को 2.81 लाख करोड़ रुपए से अधिक का लाभ पहुंचाया है।

अर्थव्यवस्था में निवेशकों का भरोसा लौटा, निजी निवेश में आ रही तेजी : सीईए नागेश्वरन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) अनंत नागेश्वरन ने कहा है कि भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर निवेशकों का भरोसा लौटा है और यह बात निजी क्षेत्र में निवेश में आ रही तेजी से पता चलती है।

नागेश्वरन ने पीटीआई-भाषा से विशेष बातचीत में कहा, यह (भरोसा) वापस आ गया है। अगर ऐसा नहीं होता तो कैसे भारतीय अर्थव्यवस्था सात प्रतिशत की दर से वृद्धि हासिल करती। आप अगर विनिर्माण और सेवा क्षेत्रो में खरीद प्रबंधक सूचकांक (परचेजिंग मैनेजेर इंडेक्स) को देखें, विस्तार और गिरावट को देखें, शेयर बाजार के प्रदर्शन को देखें, यह पता चलता है।

उन्होंने कहा कि यह जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) के आंकड़ों में भी दिख रहा है। नागेश्वरन ने भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि निजी क्षेत्र में सूचीबद्ध कंपनियां अपने पूंजीगत व्यय और नई परियोजनाओं की घोषणा में तेजी ला रही हैं।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी अपने अंतरिम बजट में कहा है कि निजी निवेश हो रहा है। उन्होंने 2024-25 के लिए अंतरिम बजट पेश करते हुए कहा, अब निजी निवेश बड़े पैमाने पर हो रहा है। इससे केंद्र सरकार की कम उधारी से निजी क्षेत्र के लिए कर्ज की अधिक उपलब्धता होगी।

अर्थव्यवस्था में वृद्धि के साथ हाल के दिनों में इस्पात, सीमेंट और पेट्रोलियम जैसे कुछ क्षेत्रों में निजी निवेश में तेजी आई है। नागेश्वरन ने कहा, यह मानते हुए कि वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की वास्तविक जीडीपी सात प्रतिशत की दर से बढ़ेगी, कॉरपोरेट और बैंक दोनों क्षेत्रों के बही-खातों में अधिक जोखिम लेने की गुंजाइश है।

कंपनियों ने कोविड-19 अवधि से पहले और उसके दौरान अपने अपने कर्ज को कम किया है ताकि उनके पास विस्तार के लिए कर्ज लेने की क्षमता हो।

साथ ही, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) के लिए औसत पूंजी पर्याप्तता अनुपात लगभग 15 प्रतिशत है। इसके साथ बैंकों की वित्तीय स्थिति मजबूत हुई है। चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही के अंत में बैंक ऑफ महाराष्ट्र का पूंजी पर्याप्तता अनुपात 16.85 प्रतिशत रहा जो सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में सर्वाधिक है।

इसके बाद इंडियन ओवरसीज बैंक (16.80 प्रतिशत) और पंजाब एंड सिंध बैंक (16.13 प्रतिशत) है।

दूरसंचार सेवाओं की शुल्क दरों को 'दुरुस्त' करने से होगा असली सुधार : एयरटेल एमडी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दूरसंचार सेवा प्रदाता भारती एयरटेल ने मंगलवार को कहा कि उसकी प्रति ग्राहक औसत कमाई (एआरपीयू) में 'अपने बल' पर स्पष्ट वृद्धि हुई है लेकिन इसमें असली सुधार शुल्क दरों को 'दुरुस्त' करने से ही आएगा। भारती एयरटेल के प्रबंध निदेशक (एमडी) गोपाल विट्टल ने कंपनी के दिसंबर तिमाही के नतीजों पर चर्चा के दौरान कहा कि सवाल शुल्क दरों के दुरुस्त होने या न होने का नहीं है। सवाल यह है कि यह काम कब होगा। विट्टल ने कहा, वास्तविक सुधार तभी आएगा जब शुल्क दरों में सुधार होगा। मैंने पहले भी कहा है कि शुल्क दरों में सुधार होने या न होने का सवाल नहीं है, सवाल यह है कि यह कब होगा। एयरटेल के शीर्ष अधिकारी ने कहा, कुछ तिमाहियों में एआरपीयू में बढ़ोतरी अधिक हुई है तो कुछ तिमाहियों में यह कम है। लेकिन थोड़ी लंबी अवधि में स्पष्ट रूप से एआरपीयू में अपने बल पर बढ़ोतरी देखी गई है। इसके साथ ही विट्टल ने कहा कि 5जी नेटवर्क पर मुफ्त डेटा की पेशकश पैसे कमाने की किसी भी पहल के लिए एक 'विरोधाभासी' बात है। भारती एयरटेल का दिसंबर तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ उच्च मूल्य ग्राहकों में वृद्धि के दम पर 54 प्रतिशत बढ़कर 2,442.2 करोड़ रुपए रहा है।

देश में 10,500 से अधिक जन औषधि केंद्रों में आवश्यक दवाएं किफायती दामों में उपलब्ध

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने मंगलवार को कहा कि देश में 12 करोड़ परिवारों अर्थात लगभग 60 करोड़ लोगों को 'स्वास्थ्य सुरक्षा' दी गई है और 10,500 से अधिक जन औषधि केंद्रों के माध्यम से गरीबों को आवश्यक दवाएं किफायती दामों में उपलब्ध कराई जा रही हैं। रसायन एवं उर्वरक मंत्री डॉ मनसुख मंडाविया ने राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान यह भी बताया कि दवाओं की उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए एक सतर्कता प्रणाली है जो एक सतत प्रक्रिया है।

जन औषधि केंद्रों में उपलब्ध दवाओं के बारे में पूछे गए पूरक प्रश्न के जवाब में मंडाविया ने कहा कि वर्तमान सरकार स्वास्थ्य के क्षेत्र को व्यापक रूप में देखती है तथा यह सुनिश्चित करना चाहती है कि दवाएं किफायती हों एवं अच्छे इलाज तक सबकी पहुंच हो। उन्होंने बताया कि आज देश में एक लाख 64 हजार से अधिक आयुष्मान आरोग्य मंदिर हैं और इनके लिए डॉक्टर भी जरूरी हैं जिसे देखते हुए देश में एमबीबीएस की सीटें दोगुनी की गईं एवं मेडिकल कालेजों की संख्या भी बढ़ाई गई। उन्होंने बताया कि देश में पहले 350 मेडिकल कॉलेज थे जो आज बढ़ कर 760 हो गए हैं। उन्होंने कहा कि ''यह सब डॉक्टरों की उपलब्धता बढ़ाने के लिए किया गया। मंडाविया ने बताया कि देश में 12 करोड़ परिवार यानी 60 करोड़ लोगों को स्वास्थ्य सुरक्षा दी गई है और वे लोग अब पांच लाख रुपए तक का इलाज मुफ्त करा सकते हैं। उन्होंने कहा कि गरीबों को किफायती दरों में दवाएं उपलब्ध कराने के लिए आज 10,500 से अधिक जन औषधि केंद्र चलाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि दवाओं की उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए एक सतर्कता प्रणाली है जो एक सतत प्रक्रिया है। भाजपा के लक्ष्मीकांत बाजपेयी ने पूछा था कि क्या आम जनमानस की पहुंच से दूर महंगी दवाएं जन औषधि केंद्रों में बेचे जाने पर विचार किया जाएगा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
उपलब्ध
PURVA BLUE BELLE
Adjacent to Magadi Road Metro Station
(Purple lane) Rajajinagar
3 Bedroom Jodi units
5 Bedroom + Servant room with all Luxurious Amenities.
Direct metro from here to ITPL (white field) / KR PURAM/ BYYAPPANAHALLI .
Very good Convenience
those who are working above areas.
Only few units left for Sale.
Contact Owner: 9844027560

हिमाचल में बर्फबारी और बारिश, चार राष्ट्रीय राजमार्गों सहित 473 सड़कें बंद

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश के कई हिस्सों में बर्फबारी और बारिश के चलते मंगलवार को चार राष्ट्रीय राजमार्गों सहित 470 से ज्यादा सड़कें बंद हो गईं। राज्य आपात परिचालन केंद्र के मुताबिक, 473 सड़कों पर आवाजाही ठप हो गई और 398 ट्रांसफार्मर तथा 38 जल आपूर्ति योजनाएं बाधित हुई हैं। मौसम विभाग ने कहा कि हिमाचल में जनवरी का मौसम पिछले 17 वर्षों में सबसे 'शुष्क' रहा क्योंकि राज्य में सामान्य बारिश 85.3 मिलीमीटर (मिमी) के मुकाबले 6.8 मिमी बारिश हुई, जो 92 प्रतिशत की कमी दर्शाती है। जनवरी 1996 में 99.6 प्रतिशत और 2007 में 98.5 प्रतिशत कम वर्षा दर्ज की गई थी।

कुल मिलाकर, लाहौल एवं स्पीति में 153 सड़कें, शिमला में 134, कुल्लू में 68, चंबा में 61, मंडी में 46, सिरमौर में आठ, किन्नौर में दो और कांगड़ा में एक सड़क बंद हो गई है।

मौसम कार्यालय द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, पिछले 24 घंटों में खदराला में चार सेंटीमीटर (सेमी), भरमौर में तीन सेमी, कुफरी में दो सेमी, गोंडला में 1.3 सेमी और सांगला में 0.5 सेमी बर्फबारी हुई जबकि कल्पा, कुकुमसेरी, नारकंडा और केलोंग में मामूली बर्फबारी देखने को मिली। शिमला होटल एंड टूरिज्म स्टेकहोल्डर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष एम के सेठ ने फरवरी में पर्यटकों की अच्छी संख्या की उम्मीद जताते हुए कहा कि बर्फबारी के कारण शिमला में पर्यटकों की संख्या में भी वृद्धि हुई है और पिछले सप्ताहांत में पर्यटन प्रेमियों की संख्या में 30 से 70 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

पुरस्कार वितरण

बेंगलूरु में मंगलवार को मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने में डीआईपीआर द्वारा आयोजित गांधीजी पर निबंध लेखन प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार वितरित करते हुए।

केंद्र के खिलाफ दिल्ली के जंतर मंतर पर विरोध प्रदर्शन आज

सिद्दरामैया एवं डीके शिवकुमार के नेतृत्व में कांग्रेस की कर्नाटक इकाई करेगी प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। केंद्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकार पर हमला तेज करते हुए मुख्यमंत्री सिद्दरामैया के नेतृत्व में कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस पिछले कुछ वर्षों में कर अंतरण और अनुदान सहायता में राज्य के साथ अन्याय का आरोप लगाते हुए 7 फरवरी को नयी दिल्ली में विरोध प्रदर्शन करेगी। आगामी लोकसभा चुनाव से पहले मंत्रियों सहित राज्य के सभी कांग्रेस विधायकों और सांसदों का विरोध प्रदर्शन कल पूर्वाह्न 11 बजे राष्ट्रीय राजधानी के जंतर-मंतर पर शुरू होगा। प्रदर्शनकारी केंद्र से 15 वें वित्त आयोग के तहत पांच साल के दौरान कर्नाटक को हुए 1.87 लाख करोड़ रुपये के कथित नुकसान की भरपाई करने की मांग करेंगे। वहीं मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के वरिष्ठ नेता एवं केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन अपने कैबिनेट सहयोगियों के साथ 8 फरवरी को दक्षिणी राज्य के प्रति केंद्र की कथित लापरवाही के खिलाफ राष्ट्रीय राजधानी में विरोध प्रदर्शन करेंगे। दूसरी ओर, कोलकाता में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख एवं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी कथित तौर पर उनके राज्य का बकाया, विशेष रूप से महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के तहत रोके जाने के लिए केंद्र के खिलाफ शुक्रवार को विरोध प्रदर्शन करेंगी।

सिद्दरामैया ने कहा है कि विरोध प्रदर्शन का उद्देश्य राज्य की चिंताओं की ओर केंद्र सरकार और देश के लोगों का ध्यान आकर्षित करना है। उन्होंने कहा है कि अभी तक राज्य ने कभी भी दिल्ली में विरोध प्रदर्शन नहीं किया है, लेकिन अपरिहार्य कारणों के चलते अब ऐसा करने की स्थिति आ गई है। उन्होंने विपक्षी भाजपा और उसके जनप्रतिनिधि, विशेष रूप से राज्य के सांसदों से कर्नाटक के हित में आंदोलन में शामिल होने का आग्रह किया, क्योंकि यह संघर्ष राज्य के साथ हुए अन्याय के खिलाफ है, न कि भाजपा के खिलाफ।

सिद्दरामैया ने कहा उन्होंने भाजपा सहित कर्नाटक के सभी सांसदों को पत्र लिखकर विरोध प्रदर्शन में शामिल होने का अनुरोध किया है। उन्होंने राज्य से केंद्रीय मंत्रियों निर्मला सीतारमण (राज्यसभा सदस्य) और प्रह्लाद जोशी को भी आमंत्रित किया गया है। यह विरोध प्रदर्शन कांग्रेस के बेंगलूरु ग्रामीण से अपने सांसद डी के सुरेश द्वारा व्यक्त की गई चिंताओं को उचित ठहराने के प्रयासों के बीच आया है, जिन्होंने पिछले सप्ताह दावा किया था कि दक्षिण से एकत्र किए गए करों को उत्तर भारत में वितरित किया जा रहा है और दक्षिणी राज्यों को उनका उचित हिस्सा नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा था कि यदि 'अन्याय' को ठीक नहीं किया गया तो दक्षिणी राज्य एक अलग राष्ट्र की मांग करने के लिए बाध्य होंगे। उन्होंने कहा था कि भाजपा के 27 लोकसभा सदस्य (एक निर्दलीय और जदएस के एक सहित) उनके पक्ष में होने के बावजूद, उन्होंने संसद या सरकार के सामने अपना मुंह नहीं खोला है। राजग सरकार में कर्नाटक का प्रतिनिधित्व करने वाले मंत्रियों ने भी राज्य की चिंताओं के बारे में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से बात नहीं की है। हालांकि, केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण सहित भाजपा नेताओं ने इन आरोपों की कड़ी आलोचना की है कि केंद्र कर्नाटक सहित गैर-भाजपा शासित राज्यों के लिए धनराशि रोक रहा है। उन्होंने कहा है कि यह एक राजनीतिक रूप से विकृत विमर्श है जिसका उल्लेख निहित स्वार्थी तत्व करते हैं।

कर्नाटक हाईकोर्ट ने मुख्यमंत्री सिद्दरामैया पर 10 हजार का जुर्माना लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक हाईकोर्ट ने मंगलवार को एक विरोध प्रदर्शन के दौरान सड़क अवरुद्ध करने के मामले में मुख्यमंत्री सिद्दरामैया और अन्य कांग्रेस नेताओं पर 10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया। कोर्ट ने यह कहा कि लोगों का प्रतिनिधि होने के कारण सड़क अवरुद्ध करने का कार्य स्वीकार नहीं किया जा सकता। न्यायमूर्ति कृष्ण एस. दीक्षित की अध्यक्षता वाली पीठ ने विशेष अदालत में मुकदमे की कार्यवाही को रद्द करने की मांग वाली मुख्यमंत्री सिद्दरामैया की याचिका को खारिज कर दिया।

पीठ ने मुख्यमंत्री सिद्दरामैया को 6 मार्च को जन प्रतिनिधियों के लिए विशेष अदालत के समक्ष उपस्थित होने का भी आदेश दिया। अदालत ने एआईसीसी महासचिव और कर्नाटक प्रभारी रणदीप सुरजेवाला को 7 मार्च, परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी को 15 मार्च और एमबी पाटिल को 11 मार्च को अदालत में उपस्थित होने के लिए कहा है। सभी नेताओं पर 10-10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

यह जुर्माना बेंगलूरु के हाई ग्राउंड्स पुलिस स्टेशन से जुड़ी पुलिस सब-इंस्पेक्टर जाहिदा को मामले में घसीटने और उन्हें एक पक्ष बनाने के लिए लगाया गया है। मुख्यमंत्री सिद्दरामैया के वकील ने अपील किए जाने तक आदेश पर रोक लगाने का अनुरोध किया। पीठ ने इस पर ध्यान देने से इनकार कर दिया। साथ ही कहा कि यदि जनता के प्रतिनिधि कानून का पालन करेंगे तो लोग भी उनका पालन करेंगे। अगर विरोध प्रदर्शन सड़कों पर किया गया तो लोगों को परेशानी होगी।

पीठ ने कांग्रेस नेताओं को फटकार लगाते हुए कहा कि शहरी जीवन एक यातना है, विरोध प्रदर्शनों ने शहरों में स्थिति को और खराब कर दिया है। इसी कारण से सड़कों को अवरुद्ध करने का कार्य मंजूर नहीं हो सकता है। हाई ग्राउंड्स पुलिस स्टेशन में 14 अप्रैल 2022 को मुख्यमंत्री सिद्दरामैया और अन्य कांग्रेस नेताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। कांग्रेस पार्टी ने एक ठेकेदार संतोष पाटिल की आत्महत्या के मामले पर विरोध प्रदर्शन किया था और तत्कालीन मंत्री केएस ईश्वरप्पा के इस्तीफे की मांग की थी।

जनस्पंदना की तैयारी

बेंगलूरु में विधानसौधा के समक्ष 8 फरवरी को होने वाले मुख्यमंत्री के राज्य स्तरीय जनस्पंदना कार्यक्रम को लेकर तैयारियां चालू हैं। इस कार्यक्रम में राज्यभर से लोग मुख्यमंत्री से आकर अपनी समस्याओं के बारे में मिलेंगे।

प्रदर्शन

बेंगलूरु में मंगलवार को भाजपा कार्यकर्ताओं ने दूध उत्पादकों के भुगतान की मांग को लेकर मंगलवार को फ्रीडम पार्क में विरोध प्रदर्शन करते हुए।

देवेगोड़ा ने मोदी सरकार के दस वर्ष के कार्यकाल की सराहना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री एवं जनता दल (एस) प्रमुख एच डी देवेगौड़ा ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में हिस्सा लेते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने 10 साल में जो काम किए हैं उनमें से कई नीतियां एवं कार्यक्रम ऐसे हैं जिनकी सराहना की जानी चाहिए।

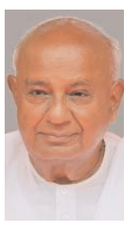

उन्होंने कहा कि वह अभी तक कई प्रधानमंत्रियों से मिल चुके हैं। किंतु उनकी हाल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से नये संसद भवन में मुलाकात हुई और उसमें मोदी ने उन्हें जो प्रेम एवं स्नेह दिया, वह उसका बयां नहीं कर सकते। देवेगौड़ा ने कहा कि वह एक राज्य के मुख्यमंत्री रह चुके हैं और वह जानते हैं कि कर्नाटक सहित विभिन्न राज्यों में राज्य प्रदूषण बोर्ड का दुरूपयोग किया जाता है। उन्होंने कहा कि इतनी रिपोर्ट आयी है किंतु कर्नाटक में काटगोल्ला समुदाय की मांगों को आज तक पूरा नहीं किया जा सका है। उन्होंने कहा कि इस समुदाय को अनुसूचित जनजाति की सूची में डालने की 2014 में सिफारिश की गयी थी किंतु इसे आज तक क्रियान्वित नहीं किया जा सका है।

देवेगौड़ा ने कहा कि काका कालेकर रिपोर्ट, मंडल आयोग रिपोर्ट सहित विभिन्न रिपोर्ट के बावजूद देश के कई आदिवासी समूहों की जायज मांगों को अभी तक पूरा नहीं किया जा सका है। पूर्व प्रधानमंत्री जब अपनी बात रख रहे थे तो कांग्रेस के नासिर हुसैन ने इस बात पर आपत्ति जतायी कि उन्होंने कर्नाटक सरकार के बारे में कुछ गलत बात कहीं हैं। यद्यपि सभापति जगदीप धनखड़ ने उन्हें बीच में हस्तक्षेप करने की अनुमति नहीं दी। देवेगोड़ा ने प्रधानमंत्री मोदी से अनुरोध किया कि वह कर्नाटक की पेयजल संकट को दूर करने के लिए प्रयास करें।

नेशनल हॉकी प्लेयर वरुण कुमार के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक पुलिस ने 22 वर्षीय एयरलाइन अधिकारी की शिकायत के बाद हॉकी प्लेयर वरुण कुमार के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। बेंगलूरु शहर की ज्ञानभारती पुलिस ने 16 साल से कम उम्र की महिला के साथ बलात्कार के आरोप में कुमार के खिलाफ यौन अपराधों से बच्चों की रोकथाम अधिनियम की धारा 4 (2), 5 (एल), 6 और आईपीसी की धारा 376 (3) के प्रावधानों के तहत प्राथमिकी दर्ज की है।

पीड़िता ने अपनी शिकायत में कहा है कि जब वो 16 साल की थी तभी से आरोपी शादी का वादा कर उसके साथ दुष्कर्म और यौन शोषण कर रहा था। पीड़िता ने कहा कि एक साल पहले मेरे पिता के निधन के बाद आरोपी मेरे पास मुझे सांत्वना देने आया। इसके बाद उसने मुझे बुलाना छोड़ दिया। मेरे फोन को भी नजरअंदाज करने लगा और जब मैंने उसके खिलाफ शिकायत दर्ज कराने का फैसला किया, तो उसने मुझसे दोबारा बातचीत शुरू कर दी। वहीं, जब मैंने उसे शादी करने को कहा, तो उसने मुझसे कहा कि हमें इसी तरह बिना शादी के ही रहना चाहिए। इतना ही नहीं, उसने मुझे धमकी दी कि अगर मैं उस पर शादी का दबाव बनाऊंगी, तो वो मेरी तस्वीरों को सोशल मीडिया पर पोस्ट कर देगा।

बता दें कि पीड़िता 16 साल की उम्र में वॉलीबॉल में प्रशिक्षु के रूप में चयनित होने के बाद बेंगलूरु के ज्ञानभारती में भारतीय खेल प्राधिकरण कोचिंग सेंटर में प्रशिक्षण ले रही थी। वह महिला छात्रावास में रह रही थी।

इसके बाद पीड़िता का इंस्टाग्राम पर आरोपी से परिचय हुआ। आरोपी भी उसी कैंपस से प्रशिक्षण ले रहा था। पीड़िता ने कहा, मैं नाबालिग थी, इसलिए मैंने उसके मैसेज का कोई जवाब नहीं दिया था। इसके बाद आरोपी ने अपने दोस्तों को मेरे पास भेजना शुरू कर दिया कि वो मेरे साथ नजदीकियां बढ़ा सके। इसके बावजूद भी मैंने किसी भी प्रकार की कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

सुगम यातायात के लिए बेंगलूरु ट्रॉफिक पुलिस कर रही कार्य

- विश्व में यातायात संकुलन में बेंगलूरु छठवें स्थान पर
- शहर में औसत 18 किलोमीटर प्रतिघंटे चलते हैं वाहन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। पुलिस आयुक्त कार्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में बेंगलूरु पुलिस आयुक्त बी दयानंद ने बताया कि बेंगलूरु विश्व में यातायात संकुलन (ट्रॉफिक कन्जेक्शन) में अब छठवे नम्बर पर है। उन्होंने बताया कि विश्व ट्रॉफिक सांख्यिकी संस्थान द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के हिसाब से वर्ष 2022 में विश्व में यातायात संकुलन में लंदन शहर के बाद बेंगलूरु का दूसरा नम्बर था। यहां औसत प्रति घंटा 14 किलोमीटर सुगम यातायात था, जो वर्ष 2023 में बेंगलूरु को छठवें स्थान पर करते हुए 18 किलोमीटर प्रति घंटे वाहन चल रहे हैं।

उन्होंने बताया कि यह सब ट्राफिक पुलिस विभाग के द्वारा उठाए जा रहे कदमों के कारण है। आज ट्रॉफिक विभाग संचार नियमों के उल्लंघन पर दंड लगाने की बजाय सुगम संचार के लिए अपना विशेष योगदान दे रहा है। जहां भी अत्याधिक संकुलन है वहां पुलिस विशेष कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि शहर में मेट्रो सम्पर्क के बढ़ जाने से भी ट्रॉफिक में राहत मिली है। उन्होंने कहा कि एआई की मदद से ट्रॉफिक सिग्नल परियोजना शीघ्र ही शहर में चालू हो जाएगी। इसके क्रियान्वयन से यातायात और भी अधिक सुगम होगा।

बेंगलूरु में मंगलवार को फेडरेशन ऑफ कर्नाटक फार्मर्स एसोसिएशन के सदस्यों और गन्ना उत्पादकों ने ग्रीन बड्र्स डिपॉजिट मुद्दे जैसी अपनी मांगों को लेकर फ्रीडम पार्क में विरोध प्रदर्शन करते हुए।

सिद्दरामैया का उत्तर-दक्षिण विभाजन का मुद्दा उछालना कांग्रेस नेताओं की विशेषता रही है : अमित मालवीय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) प्रकोष्ठ के प्रभारी अमित मालवीय ने उत्तर-दक्षिण विभाजन के मुद्दे को उछालने के लिए मंगलवार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया पर निशाना साधा और कहा कि यह कांग्रेस नेताओं की विशेषता रही है जो टुकड़े-टुकड़े' गिरोह के भरोसेमंद सहयोगी हैं। मालवीय का बयान कर अंतरण और सहायता अनुदान के मामले में केंद्र सरकार द्वारा कर्नाटक के साथ कथित अन्याय के खिलाफ सिद्धारमैया के नेतृत्व में नयी दिल्ली में कांग्रेस की कर्नाटक इकाई के प्रदर्शन से पहले आया है। 'कर अंतरण' केंद्र सरकार और राज्य सरकार के बीच राजस्व वितरण को संदर्भित करता है।

'एक्स' पर मालवीय ने कहा कि सिद्दरामैया को कल्याण कर्नाटक' और कलबुर्गी जैसे क्षेत्रों के मुकाबले बेंगलूरु को मिलने वाली निधि की जांच करनी चाहिए। भाजपा आईटी प्रकोष्ठ प्रमुख ने कहा, 'क्या उन्हें बेंगलुरु के साथ अनुचित व्यवहार की परवाह है? राजनीति में यह दृष्टिकोण (उत्तर-दक्षिण विभाजन को बढ़ावा देना) निंदनीय है। यह कांग्रेस नेताओं की एक खास विशेषता है जो टुकड़े-टुकड़े' गिरोह के भरोसेमंद सहयोगी हैं।' 'टुकड़े-टुकड़े' गिरोह का इस्तेमाल भाजपा कथित तौर पर अलगाववादियों से सहानुभूति रखने वालों के लिए करती है। उन्होंने आगाह किया कि इस तरह के हथकंडे न केवल एकता को कमजोर करते हैं बल्कि सामाजिक सद्भाव के लिए भी महत्वपूर्ण खतरा पैदा करते हैं।

मालवीय के मुताबिक, सिद्दरामैया की 5,495 करोड़ रुपये की विशेष अनुदान की मांग 'झूठ' है।

कर्नाटक के नाखुश किसानों ने 'बेंगलूरु चलो' को लेकर विरोध प्रदर्शन

बेंगलूरु। हजारों किसान मंगलवार को बेंगलूरु के फ्रीडम पार्क में एकत्रित होकर अपनी मांगों को पूरा करने की मांग को लेकर कांग्रेस सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। 'बेंगलूरु चलो' विरोध प्रदर्शन में राज्य भर से लगभग 5,000 किसानों के भाग लेने की संभावना है।

राज्य गन्ना उत्पादक संघ के अध्यक्ष कुरुबुरु शांताकुमार ने आईएएनएस को बताया कि राज्य सरकार ने कृषि के लिए आवंटन में 13 हजार करोड़ रुपये की कमी की है। बजट में इस क्षेत्र के लिए आवंटन बढ़ाना चाहिए और अतिरिक्त धनराशि भी उपलब्ध करानी चाहिए। उन्होंने कहा, तेलंगाना में कांग्रेस सरकार ने किसानों के लिए ऋण माफी की घोषणा की है और इसे लागू कर रही है। लेकिन कर्नाटक में कांग्रेस सरकार ने ऐसा कोई कदम नहीं उठाया है। हम राज्य में किसानों के लिए ऋण माफी की मांग करते हैं।

शांताकुमार ने कहा, मुख्यमंत्री सिद्दरामैया को राज्य के बजट में किसानों के मुद्दों को प्राथमिकता पर रखना चाहिए, जो वह जल्द ही पेश करेंगे। किसान सूखे का सामना कर रहे हैं और आजीविका की तलाश में पलायन कर रहे हैं। कई लोगों ने आत्महत्या का रास्ता अपनाया है। यह विरोध प्रदर्शन कर्नाटक प्रांतीय किसान संगठनों के महासंघ और राज्य गन्ना उत्पादक संघ द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया है। किसान बसों, ट्रेनों और निजी परिवहन से कार्यक्रम स्थल पर पहुंच रहे हैं। संगठन फ्रीडम पार्क से विधान सौधा तक रैली निकालने की योजना बना रहे हैं।

मंगलूरु हवाई अड्डे से आठवीं विदेशी उड़ान अप्रैल से जेद्दा के लिए रवाना होगी

मंगलूरु। मंगलूरु अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान तीन अप्रैल से प्रत्येक बुधवार को जेद्दा के लिए रवाना होगी। यह मंगलुरु से आठवीं विदेशी उड़ान होगी। एयर इंडिया एक्सप्रेस' ने यह जानकारी दी। विमानन कंपनी ने बताया कि जेद्दा की उसकी यह अंतरराष्ट्रीय उड़ान प्रत्येक बुधवार को यहां से दोपहर दो बजकर मिनट पर रवाना होगी और जेद्दा के समयानुसार सायं छह बजकर 25 मिनट पर अपने गंतव्य पर पहुंचेगी।

उसने बताया कि बुधवार को ही शाम सात बजकर 25 मिनट पर यह विमान जेद्दा से मंगलुरु के लिए रवाना होगा और यहां स्थानीय समयानुसार तड़के तीन बजकर 40 मिनट पर पहुंचेगा।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया Union Bank of India A Government of India Undertaking

क्षेत्रीय कार्यालय, सेलम
पता: प्रथम एवं द्वितीय तल, एकेपी रत्ना टावर, नं. 13,भारतियार स्ट्रीट सुब्रमनिया नगर सूरमंगलम, सेलम, तमिलनाडु – 636005. दूरभाष: 0427-2334811. ईमेल:smpndrosalem@unionbankofindia.bank

पट्टे पर परिसर की आवश्यकता

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया को मिड कॉर्पोरेट शाखा, पल्लिपालयम के लिए पल्लिपालयम नगरपालिका क्षेत्र के अंदर 1400 ± 10% वर्गफुट के कार्पेट क्षेत्र में एक अच्छी तरह से निर्मित "कब्जे के लिए तैयार" या "निर्माणाधीन" वाणिज्यिक परिसर या "हमारे विनिर्देशों के अनुसार वाणिज्यिक परिसर के निर्माण के लिए मालिक की प्रतिबद्धता के साथ खाली भूखंड" की आवश्यकता है, जो मुख्य रूप से भूतल पर अच्छा अग्रभाग ,मुख्य सड़क तक आसान पहुँच, पर्याप्त पार्किंग सुविधा और और मिड कॉर्पोरेट शाखा, पल्लिपालयम के लिए बैंक की आवश्यकतानुसार अन्य सुविधाएं हों.

क्र.सं.	शाखा	आवश्यक कार्पेट क्षेत्रफल	स्थान
1	मिड कॉर्पोरेट शाखा (एमसीबी) पल्लिपालयम	1400 ± 10%	पल्लिपालयम नगरपालिका क्षेत्र के अंदर

मालिकाना हक प्राप्त प्रत्याशित विक्रेता या मालिकों की ओर से बातचीत का अधिकार रखने वाले दिनांक 07/02/2024 से कार्यालय अवधि के दौरान (सुबह 10:00 बजे से शाम 05:00 बजे तक) यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, क्षेत्रीय कार्यालय, सेलम के उपरोक्त पते से तकनीकी बोली मूल्य बोली का प्रारूप प्राप्त कर सकते हैं या /www.unionbankofindia.co.in (या) eprocure.gov.in वेबसाइट से डाउनलोड भी कर सकते हैं और अपनी तकनीकी बोली और मूल्य बोली प्रस्ताव को अलग लिफाफों में "तकनीकी बोली और मूल्य बोली" लिखकर, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, क्षेत्रीय कार्यालय, # एकेपी रत्ना टावर, 13,भारतियार स्ट्रीट, सुब्रमनिया नगर, सूरमंगलम, सेलम, तमिलनाडु – 636005 पर दिनांक 21/02/2024 को या उससे पहले शाम 4:00 बजे तक भेज सकते हैं. बोलियों को विक्रेता/ उनके प्रतिनिधियों के उपस्थिति में दिनांक 21/02/2024 को शाम 4:30 बजे उपरोक्त लिखे पते पर खोला जाएगा. प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि और समय के बाद प्राप्त बोलियों जैसा की वेंडर प्रमाणन में निर्दिष्ट है, पर विचार नहीं किया जाएगा. किसी भी दलाल या बिचौलिये के साथ बातचीत नहीं की जाएगी. सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों या सरकारी/ अर्ध-सरकारी निकायों द्वारा पट्टे पर दी जाने वाली संपत्ति को प्राथमिकता दी जाएगी. किसी भी परिस्थिति में कार्यालय परिसर हेतु किसी अनधिकृत निर्माण पर विचार नहीं किया जाएगा.

अधिक जानकारी के लिए कृपया बैंक की वेबसाइट www.unionbankofindia.co.in (या) eprocure.gov.in पर जाए. निर्धारित प्रारूप में बोलियों को जमा करने की अंतिम तिथि 21/02/2024 को शाम 4:00 बजे तक है.

बैंक बिना कोई कारण बताए प्राप्त किसी भी प्रस्ताव या सभी बोलियों को अस्वीकार करने का अपना अधिकार सुरक्षित रखता है.

दिनांक : 06.02.2024 क्षेत्र प्रमुख

बालू की टिप्पणी पर लोकसभा में हंगामा

चेन्नई/नई दिल्ली। लोकसभा में मंगलवार को उस समय सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली जब द्रमुक नेता टी आर बालू ने केंद्रीय मंत्री एल. मुरुगन पर निशाना साधते हुए कुछ टिप्पणी की। संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी और संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने आरोप लगाया कि बालू ने मुरुगन के खिलाफ टिप्पणी करके पूरे दलित समाज का अपमान किया है। उन्होंने द्रमुक के वरिष्ठ नेता से माफी की मांग की। सदन में प्रश्नकाल के दौरान जब बालू तमिलनाडु में प्राकृतिक आपदा से नुकसान के संदर्भ में पूरक प्रश्न पूछ रहे थे तो मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री मुरुगन ने उन्हें टोका। इसके बाद बालू ने पलटवार करते हुए उनके खिलाफ एक शब्द का इस्तेमाल किया। इसके बाद सत्तापक्ष के सदस्यों ने विरोध शुरू कर दिया। प्रह्लाद जोशी ने कहा, बालू एक वरिष्ठ सांसद हैं। उन्होंने एक एससी मंत्री के खिलाफ टिप्पणी की है। उनको माफी मांगनी चाहिए।

मेघवाल ने कहा, ''बालू जी, आप इस तरह के शब्द का इस्तेमाल कैसे कर सकते हैं।

कार्यालयों से कोई भी नागरिक निराश नहीं लौटे : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आमजन को मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता में किसी प्रकार की ढिलाई नहीं बरती जाए। सभी विभाग योजना बनाकर गुणवत्ता के साथ समयबद्ध रूप से कार्यों को पूरा करें। उन्होंने प्रदेश को अपराध मुक्त एवं भ्रष्टाचार मुक्त बनाने के लिये सभी विभागां को समन्वय से कार्य करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री शर्मा सोमवार को भरतपुर कलेक्ट्रेट सभागार में संभाग स्तरीय अधिकारियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रशासन की पहली प्राथमिकता होनी चाहिए कि आमजन की परिवेदनाओं का समयबद्ध रूप से गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए। उन्होंने भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाकर कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला, उपखण्ड सहित ग्राम पंचायत स्तर तक के कार्यालयों में औचक निरीक्षण करने के निर्देश प्रदान किए। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के विकास को गति प्रदान करने की दिशा में नियमित रूप से जन सुनवाई करते हुए योजनाओं की मॉनिटरिंग कर फीडबैक लेने के निर्देश दिए। उन्होंने संभाग स्तरीय बैठक में चिकित्सा सुविधाओं, कानून-व्यवस्था, बिजली, पेयजल आपूर्ति की स्थिति, जल जीवन मिशन की प्रगति, विकसित भारत संकल्प यात्रा तथा अन्य महत्वपूर्ण बिन्दुओं की समीक्षा की।

मुख्यमंत्री ने जिला कलक्टर व पुलिस अधीक्षकों को नियमित रूप से जनसुनवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान स्थानीय स्तर पर किया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी विभागों में महत्वपूर्ण कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। साथ ही, इन कार्यों को समय से पूरा करने के भी निर्देश प्रदान किए। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि कोई भी नागरिक कार्यालयों से निराश होकर नहीं लौटे।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी विभागां में ऐसी व्यवस्था स्थापित की जाए जिसमें सभी की भूमिका के साथ कार्य का निर्धारण हो एवं किये गये कार्यों की मॉनिटरिंग की जाए। उन्होंने कहा कि उच्च अधिकारियों द्वारा समय-समय पर कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया जाए। शर्मा ने कहा कि प्रदेश के आमजन के विश्वास पर खरा उतरना ही हम सब की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने विभागीय काम-काज में गति लाने और लम्बित कार्यों का जल्द से जल्द निस्तारण करने के निर्देश देते हुए कहा कि विभागीय स्तर पर कार्ययोजना बनाए एवं लक्ष्यों के अनुरूप समय पर कार्य संपादन सुनिश्चित किया जाए। इसके साथ ही संपादित कार्यों की समीक्षा और नियमित मॉनिटरिंग पर भी विशेष ध्यान देवें।

शर्मा ने जल जीवन मिशन योजना के तहत किये गये कार्यों की गुणवत्ता की जांच उपखण्ड अधिकारियों से करवाने, सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों को ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कों की गुणवत्ता की जांच करने के निर्देश दिए। उन्होंने जल जीवन मिशन के तहत 'हर घर जल-हर घर नल' के सपने को साकार करने के लिए चल रहे प्रोजेक्टस को गुणवत्ता व समयबद्धता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विभागीय कार्ययोजना बनाकर सड़कों का विकास सुनिश्चित किया जाए।

मुख्यमंत्री ने जिला अस्पतालों, सीएचसी एवं पीएचसी के संबंध में समीक्षा की और विशेष रूप से साफ-सफाई का ध्यान रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार की प्राथमिकता है कि प्रदेश के हर नागरिक को उचित और सुलभ इलाज उसके घर के नजदीक ही प्राप्त हो, इसके लिए हमारी सरकार हर संभव प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री शर्मा ने प्रदेश में अवैध खनन के खिलाफ चलाये गये राज्यव्यापी अभियान का जिक्र करते हुए कहा कि आमजन को राहत पहुंचाना ही हमारी प्राथमिकता है। इसके लिए सभी को मिलकर सामूहिक प्रयास करने होंगे। उन्होंने कहा कि अवैध खनन गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए जिला प्रशासन, पुलिस व खनन विभाग आपसी सामंजस्य के साथ कार्यवाही करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संभाग के जिले सीमावर्ती होने के कारण अन्य प्रदेशों से अपराधियों के आने-जाने की संभावना रहती है, इसके लिये प्रभावी कार्ययोजना बनाकर कार्यवाही करें। उन्होंने पुलिस अधीक्षकों को निरीक्षण के साथ सीएलजी बैठक में आमजन से फीडबैक लेने, अपराधों को रोकने के लिये कार्ययोजना के तहत कार्य करने के निर्देश दिए।

नेता प्रतिपक्ष जूली ने देश और संविधान को खतरे में बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता टीकाराम जूली ने केंद्र व राज्य में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि आज देश और इसका संविधान खतरे में है। इसके साथ ही उन्होंने भाजपा पर अयोध्या में राममंदिर प्राणप्रतिष्ठा समारोह का राजनीतिक इस्तेमाल करने का आरोप लगाया।

वे चुरू में कार्यकर्ता संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा,आज देश के ऊपर संकट है.. देश के अंदर बाबा साहब आंबेडकर का बनाया हुआ संविधान आज खतरे में है।

देश के संविधान पर संकट है तो देश के हर व्यक्ति पर संकट है और उस संकट को हरने का काम कार्यकर्ताओं को करना है। जूली ने

कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने अयोध्या में राम मंदिर में पूजा शुरू करवाई पर कभी इस चीज का राजनीतिक फायदा नहीं उठाया, लेकिन ये लोग भगवान राम के नाम पर राजनीतिक रोटियां सेकते हैं। उन्होंने कहा कांग्रेस ने राम मंदिर के मुद्दे पर किसी प्रकार का विरोध नहीं किया, विरोध इस बात को लेकर है कि ये चुनाव के लिये इसका उपयोग कर रहे हैं। इस अवसर पर कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि पेपर लीक मामले में अगर किसी ने कोई गड़बड़ी की है तो आप (भाजपा सरकार) उसके खिलाफ कार्रवाई करें, केवल बयानबाजी में कुछ नहीं रखा है।

उन्होंने कहा कि अपराध पर अंकुश लगाने का काम सरकार का होता है जिसे हमारी कांग्रेस सरकार ने बखूबी किया था। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार किसानों का हित करने के लिए नहीं है, ये तानाशाह लोग हैं। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने केन्द्र में 'जुमलेबाजों की सरकार' होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को मजबूत होने की जरूरत है और कार्यकर्ताओं में ऊर्जा भरने की आवश्यकता है।

भजनलाल ने बांके बिहारी मन्दिर में किए दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने अपने भरतपुर संभाग दौरे के दूसरे दिन मंगलवार को भरतपुर किले में स्थित बांके बिहारी मन्दिर में दर्शन किए। शर्मा ने पत्नी गीता शर्मा के साथ दर्शन कर विधिवत पूजा-अर्चना की और प्रदेश की खुशहाली, सुख-समृद्धि एवं उत्तरोत्तर प्रगति की कामना की। उन्होंने मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं से आत्मीयतापूर्वक संवाद भी किया।

इस दौरान मंदिर के पुजारी ने मुख्यमंत्री को शॉल एवं श्रीफल भेंटकर उनका अभिनंदन किया। इस दौरान गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म, विधायक जगत सिंह एवं शैलेश सिंह, संभागीय आयुक्त सांवरमल वर्मा, पुलिस महानिरीक्षक राहुल प्रकाश, भरतपुर जिला कलक्टर लोकबंधु सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री का भरतपुर संभाग दौरा

अधिकारियों को परिवेदनाओं के त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भरतपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को भरतपुर के ट्रैफिक चौराहे पर स्थित मुख्यमंत्री जनसुनवाई केन्द्र का फीता काटकर लोकार्पण किया। उन्होंने जनसुनवाई केंद्र परिसर का अवलोकन कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री के निर्देश पर जनसुनवाई केन्द्र में विशेषाधिकारी लगाकर कार्य शुरू कर दिया गया है। इससे आमजन की परिवेदनाओं का स्थानीय स्तर पर शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित हो सकेगा।

मुख्यमंत्री ने जनसुनवाई केन्द्र पर आमजन के अभाव-अभियोग सुने। उन्होंने आमजन की एक-एक परिवेदना को संवेदनशीलता के साथ सुनकर अधिकारियों को इन प्रकरणों के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को प्राप्त परिवेदनाओं पर कार्यवाही रिपोर्ट मुख्यमंत्री कार्यालय नियमित रूप से भिजवाने के भी निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री शर्मा ने जनसुनवाई के बाद भरतपुर व डीग जिले में दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय योजना एवं राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत 600 स्वयं सहायता समूहों को 9 करोड़ रुपए की ऋण राशि के चैक वितरित किए। इससे 7200 महिलाओं के परिवार लाभान्वित होंगे। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत स्ट्रीट वेंडर्स को भी ऋण स्वीकृति के चेक प्रदान किए।

इस दौरान गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म, विधायक शैलेश सिंह, संभागीय आयुक्त सांवरमल वर्मा, पुलिस महानिरीक्षक राहुल प्रकाश, भरतपुर जिला कलक्टर लोकबंधु सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं वरिष्ठ अधिकारीगण भी उपस्थित रहे।

गहलोत ने आम जनगणना नहीं करवा पाने के लिए केंद्र सरकार पर निशाना साधा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने देश में सामान्य जनगणना नहीं करवा पाने के लिए मंगलवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा। गहलोत ने कहा कि सामाजिक न्याय के माध्यम से समाज के हर पिछड़े तबके को उनका हक दिलवाना आवश्यक है। कांग्रेस नेता ने आरक्षण के बारे में पार्टी नेता राहुल गांधी का एक वीडियो साझा करते हुये 'एक्स' पर लिखा, 'सामाजिक न्याय के माध्यम से समाज के हर पिछड़े तबके को उनका हक दिलवाना आवश्यक है। मोदी सरकार 2021 की समय-सीमा पूरे होने के तीन साल बाद भी सामान्य जनगणना तक नहीं कर सकी है। इसके पीछे की वजह केन्द्र सरकार को बतानी चाहिए।'

उन्होंने लिखा, 'हर तबके के साथ न्याय सुनिश्चित करने के लिए राजस्थान में हमारी सरकार ने सामाजिक, आर्थिक और जातिगत सर्वेक्षण का फैसला किया था। देशभर में सामाजिक, आर्थिक और जातिगत जनगणना करवाने के लिये राहुल गांधी एवं 'इंडिया' गठबंधन प्रतिबद्ध है ।'

संदिग्ध गतिविधियों के संदेह में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया

जयपुर। राजस्थान के जैसलमेर जिले में एक युवक को संदिग्ध गतिविधियों के संदेह में हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार आरोपी मनु भील जैसलमेर सैन्य स्टेशन में संविदाकर्मी के रूप में एक ईंधन पंप पर काम करता था। वह जोधपुर जिले के फलोदी का रहने वाला है। कोतवाली के थानाधिकारी सत्य प्रकाश विश्नोई ने कहा, सेना के खुफिया विभाग ने कल शाम आरोपी को हिरासत में लिया और दावा किया है कि उसके मोबाइल फोन में संदिग्ध सामग्री मिली है। फोन को जांच के लिए भेज दिया गया है। आरोपी से खुफिया विभाग की टीम पूछताछ करेगी।

पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच से पता चला है कि आरोपी बहावलपुर जिले का पाकिस्तानी नागरिक है और भारत में दीर्घकालिक वीजा पर रह रहा था। वह 2014 में भारत आया था और जनवरी 2024 में आर्मी स्टेशन में काम करना शुरू किया।

डोटासरा ने अवैध खनन रोकने के नाम पर चौथ वसूली का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने राजस्थान सरकार पर अवैध खनन की रोक के नाम पर चौथ वसूली करने का आरोप लगाया है। सीकर में कार्यकर्ता संवाद को संबोधित करते हुए डोटासरा ने यह आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 'यह भाजपा की सरकार में बैठे हुए लोग इस अवैध खनन की रोक के अभियान के नाम से चौथ वसूली का काम कर रहे हैं और आगे भ्रष्टाचार करने का एजेंडा सेट करने का काम कर रहे है।'

कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि राहुल गांधी नौजवानों के मुद्दों को लेकर यह यात्रा निकाल रहे हैं। इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं में आपस में मतभेद हो सकते हैं लेकिन मनभेद नहीं होना चाहिए। हमारी सीधी निगाह हाथ के निशान पर होनी चाहिए।

उन्होंने कहा, 'लडाई बड़ी हैआज हमें उन ताकतों से लड़ना है, जिन्होंने इस देश के अंदर सभी संवैधानिक संस्थाओं पर कब्जा कर लिया है.. आज ईडी, इनकम टैक्स, सीबीआई कहीं भी पहुंच जाती है।' कांग्रेस नेता ने भाजपा पर चुनी हुई सरकारों को गिराने का आरोप लगाया। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कहा जब कार्यकर्ता अपनी लडाई समझ ले तो उसको कोई हरा नहीं सकता। कार्यकर्ताओं को अनुशासन में रहने की सीख देते हुए उन्होंने कहा, जो अनुशासन में नहीं रहेगा उसकी कांग्रेस में कोई जगह नहीं रहेगी।

दवाओं की खरीद, आपूर्ति एवं गुणवत्ता नियंत्रण में नहीं हो लापरवाही : नेहा गिरि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉरपारेशन की प्रबंध निदेशक श्रीमती नेहा गिरि ने कार्यभार ग्रहण करने के बाद कॉरपोरेशन के अधिकारियों के साथ पहली बैठक में निर्देश दिए कि प्रदेश के सभी चिकित्सा संस्थानों में दवाओं, जांच किट एवं अन्य उपकरणों की आपूर्ति समयबद्ध रूप से सुनिश्चित की जाए। चिकित्सा संस्थानों से प्राप्त मांग के आधार पर दवाओं की आपूर्ति अविलंब हो।

श्रीमती गिरि ने कहा कि मुख्यमंत्री निःशुल्क दवा एवं जांच योजना आमजन के स्वास्थ्य से जुड़ी महत्वपूर्ण योजना है। इसे ध्यान में रखते हुए निगम के संबंधित अधिकारी एवं कार्मिक दवाओं की खरीद, आपूर्ति एवं गुणवत्ता नियंत्रण के कार्य को पूरी संवेदनशीलता के साथ सम्पादित करें। उन्होंने दवाओं की गुणवत्ता पर विशेष जोर देते हुए कहा कि इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं हो। गुणवत्ता जांच में मानकों पर सही पाए जाने पर ही दवाओं की आपूर्ति की जाए।

प्रबंध निदेशक ने कार्यकारी निदेशक, उपापन को निर्देश दिए कि विभिन्न रेगुलेटरी प्राधिकारियों द्वारा प्रतिबंधित दवाओं, डिबार किए गए आपूर्तिकर्ताओं एवं कम्पनियों की अद्यतन जानकारी रखते हुए उपापन की कार्यवाही की जाए। साथ ही, दवाओं का पैकिंग मैटेरियल यथासम्भव ईको फ्रेण्डली एवं बायोडिग्रेडेबल हो। उन्होंने कहा कि निगम के माध्यम से चिकित्सा संस्थानों को आपूर्ति किए गए उपकरणों का नियमित फीडबैक लिया जाए। उपकरणों को लेकर कोई भी शिकायत प्राप्त हो तो उस पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें।

श्रीमती नेहा गिरि ने कहा कि निगम के कार्यों में तेजी लाने और पारदर्शिता की दृष्टि से तकनीक का अधिकाधिक उपयोग किया जाए। उन्होंने निगम में ई-फाइलिंग सिस्टम से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कार्यालय से प्राप्त पत्रों, सम्पर्क पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों एवं उच्च स्तर से प्राप्त अन्य दिशा-निर्देशों पर त्वरित कार्यवाही की जाए।

भूमि विकास बैंकों की ऋण वसूली के लिए अधिकारी फील्ड में जाए : गौतम कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सहकारिता मंत्री गौतम कुमार दक ने कहा कि कुछ वर्षों पहले प्राथमिक सहकारी भूमि विकास बैंक आर्थिक रूप से सुदृढ़ थे, लेकिन अनियमित ऋण वितरण एवं ऋण वसूली नियमित नही होने से इन बैंकों की वित्तीय स्थिति खराब हुई है। उन्होंने कहा कि बैंक रोजी रोटी का जरिया है। अतः अधिकारी एवं कर्मचारी व्यक्तिगत प्रयासों के द्वारा ऋण वसूली कर बैंक की वित्तीय स्थिति में सुधार करे एवं बैंकर्स की तरह कार्य करें।

दक मंगलवार को अपेक्स बैंक में प्राथमिक सहकारी भूमि विकास बैंकों की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जिन प्राथमिक सहकारी भूमि विकास बैंकों की वित्तीय हालत अनियमित ऋण वितरण के कारण खराब है ऐसे अधिकारियों एवं कर्मचारियों के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि नियमित रूप से मॉनिटरिंग कर फील्ड स्तर पर जाकर ऋण की वसूली करें।

सहकारिता मंत्री ने कहा कि ऋण देते समय सिबिल स्कोर को ध्यान में रखें। उन्होंने निर्देश दिए कि दलाल या एजेंट के माध्यम से ऋण वितरण की शिकायत आने पर संबंधित के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। एजेंट या दलाल गलत ऋण वितरण को बढ़ावा देते है। उन्होंने कहा कि ऋण वसूली को प्राथमिकता दे एवं समय पर आम सभा करवाऐं ताकि पीएलडीबी के माध्यम से अधिक से अधिक पात्र किसानों को ऋण मिल सके।

शासन सचिव सहकारिता, श्रीमती शुचि त्यागी ने कहा कि बैंकिंग सिस्टम में सुधार करते हुए लीकेज की व्यवस्था को समाप्त करें। उन्होंने कहा कि मानदंडों को पूरा करने वाले व्यक्ति ऋण के लिए नही भटके। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारियों की एसीआर में उनकी परफॉर्मेंस नोट की जाएगी।

श्रीमती त्यागी ने कहा कि धारा 55 की जांच के लंबित प्रकरणों की सूची एकत्रित कर जांच की समय सीमा निर्धारित की जाए एवं नियमित मॉनिटरिंग की जाए। रजिस्ट्रार सहकारिता, श्रीमती अर्चना सिंह ने कहा कि मिशन मोड में कार्य करे एवं ऋण वसूली के लिए लाइव लोकेशन को टेग करते हुए मॉनिटरिंग प्रक्रिया को अपनाए। ऋणियों में ऋण चुकाने की मानसिकता पैदा करे।

श्रीवास्तव ने राजस्थान उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधिपति पद की शपथ ली

जयपुर। न्यायाधीश मनिन्द्र मोहन श्रीवास्तव ने मंगलवार को यहां राजस्थान उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधिपति के तौर पर पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। राजभवन में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में राज्यपाल कलराज मिश्र ने श्रीवास्तव को राजस्थान उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधिपति पद की शपथ दिलाई। श्रीवास्तव ने हिंदी में शपथ ली।

इससे पहले राज्य के मुख्य सचिव सुधांश पंत ने राज्यपाल से श्रीवास्तव को शपथ दिलवाने का आग्रह किया। उन्होंने राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु द्वारा जारी मुख्य न्यायाधिपति की नियुक्ति अधिसूचना एवं वारंट पढ़कर सुनाया। समारोह में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी व अन्य मंत्री आदि उपस्थित रहे।

डीजेबी ठेके में रिश्वत के आरोपों पर केजरीवाल के निजी सहायक, अन्य के परिसरों पर ईडी ने छापे मारे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) में कथित अनियमितताओं से जुड़ी धन शोधन जांच के तहत दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निजी सहायक बिभव कुमार और अन्य लोगों के परिसरों की मंगलवार को तलाशी ली। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। ऐसा आरोप है कि डीजेबी की निविदा प्रक्रिया में ''अनियमितताओं'' से उत्पन्न करीब 21 करोड़ रुपए की रिश्वत को चुनावी कोष के रूप में आम आदमी पार्टी (आप) को भेजा गया। ईडी के अधिकारियों ने धन शोधन रोकथाम कानून (पीएमएलए) के तहत सुबह सात बजे से राष्ट्रीय राजधानी के करीब 10-12 परिसरों में तलाशी अभियान शुरू किया।

केंद्रीय एजेंसी के अधिकारियों ने बिभव कुमार, दिल्ली जल बोर्ड के पूर्व सदस्य शलभ कुमार, पार्टी के राज्यसभा सदस्य और राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष एन.डी. गुप्ता के कार्यालय तथा चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) पंकज मंगल के अलावा पार्टी से जुड़े कुछ अन्य लोगों के परिसरों की तलाशी ली।

दिल्ली की मंत्री आतिशी ने आरोप लगाया कि 'आप' नेताओं के

खिलाफ छापेमारी पार्टी को ''डराने और चुप कराने'' की कोशिश है।

यह छापेमारी दिल्ली जल बोर्ड के ठेके की प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं से जुड़ी है। इसी मामले में 31 जनवरी को प्रवर्तन निदेशालय ने सेवानिवृत्त मुख्य इंजीनियर जगदीश कुमार अरोड़ा और ठेकेदार अनिल कुमार अग्रवाल को गिरफ्तार किया था। एक विशेष पीएमएलए (धन शोधन निवारण अधिनियम) अदालत ने सोमवार को उनकी हिरासत की अवधि और पांच दिन बढ़ा दी। प्रवर्तन निदेशालय ने दावा किया कि ''वृहद साजिश'' का पता लगाने के लिए उनसे हिरासत में पूछताछ करने की आवश्यकता है। धन शोधन का यह मामला डीजेबी में भ्रष्टाचार और रिश्वत के आरोपों पर सीबीआई द्वारा दर्ज प्राथमिकी से जुड़ा है।

सीबीआई की प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि अरोड़ा ने डीजेबी के कुछ ठेके 38 करोड़ रुपए में 'एनकेजी इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड' को दिए जबकि ''कंपनी तकनीकी योग्यता के मानदंड को पूरा नहीं करती थी। ईडी के सूत्रों के अनुसार, जांच में पाया गया कि एनकेजी इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड ने कथित तौर पर फर्जी, जाली और झूठे दस्तावेज जमा कर ठेका हासिल किया। ऐसा आरोप है कि अरोड़ा को ''जानकारी'' थी कि कंपनी तकनीकी योग्यता के मानदंड को पूरा नहीं करती है।

तानाशाही विकल्प नहीं हो सकती, 'भगवा तूफान' इसे उखाड़ फेकेंगा : उद्धव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। शिवसेना-उद्धव बालासाहेब ठाकरे (शिवसेना-यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने मंगलवार को दावा किया कि महाराष्ट्र देश की दिशा तय करेगा और ''एक भगवा तूफान दिल्ली से टकराएगा तथा तानाशाही को उखाड़ फेंकेगा''। मुंबई में अपने आवास 'मातोश्री' में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, तानाशाही विकल्प नहीं हो सकती और इसे जड़ से उखाड़ फेंका जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र देश की दिशा तय करेगा, जो तानाशाही को उखाड़ फेंकेगा।

शिवसेना-यूबीटी में शामिल होने वाले मराठवाड़ा के लोगों को संबोधित करते हुए ठाकरे ने कहा, एक भगवा तूफान दिल्ली से टकराएगा और तानाशाही को उखाड़ फेंकेगा। कुछ लोगों के मन में विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' और महाविकास अघाडी (एमवीए) को लेकर सवाल हैं लेकिन विकल्प कहां है। उन्होंने कहा, तानाशाही विकल्प नहीं हो सकती और इसे जड़ से उखाड़ फेंकना चाहिए।

ठाकरे ने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कई कार्यकर्ता और मुस्लिम समुदाय के लोग उनकी पार्टी में शामिल हो रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर तंज कसते हुए शिवसेना यूबीटी के नेता ने कहा कि 'मन की बात' और 'जन की बात' के बीच कोई संबंध नहीं है।

अरुणाचल प्रदेश मंत्रिमंडल ने दो नए जिले बनाने की मंजूरी दी

ईटानगर/भाषा। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू के मंत्रिमंडल ने प्रशासन के कामकाम को आसान बनाने के लिए दो नए जिले बनाने को स्वीकृति दी है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में सोमवार को हुई मंत्रिमंडल की एक बैठक में नए जिले बनाने का फैसला किया गया। मंत्रिमंडल ने लोअर सुबनसिरी से केयी पनयोर जिला और ईस्ट तथा वेस्ट कामेंग जिलों से बिचोम जिला बनाने का फैसला किया है। इसके साथ ही इस पूर्वोत्तर राज्य में जिलों की संख्या बढ़कर अब 28 हो जाएगी। मंत्रिमंडल की बैठक के दौरान यह फैसला लिया गया कि आठ फरवरी से शुरू होने वाले राज्य विधानसभा के आगामी बजट सत्र में अरुणाचल प्रदेश (जिलों का पुनर्गठन) (संशोधन) विधेयक, 2024 पेश किया जाएगा। सरकार के प्रवक्ता बमांग फेलिक्स ने बताया कि केयी पनयोर जिले का मुख्यालय याचुरी (तेर गापिन-सैम साथ इलाके) में होगा। फेलिक्स ने बताया कि नए जिले में ग्रुप-ए, ग्रुप-बी गैर राजपत्रित, ग्रुप-सी, एमटीएस और एएलसी पदों के लिए 67 पद भी सृजित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि नापांगफुंग को बिचोम जिले का मुख्यालय घोषित किया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में धामी सरकार हमारे पूर्वजों के वादे को पूरा कर रही है : यूसीसी पर भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

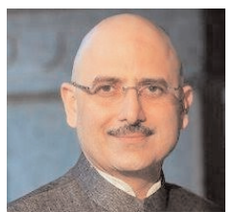

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को उत्तराखंड विधानसभा में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक पेश किए जाने का स्वागत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पुष्कर सिंह धामी सरकार 'हमारे पूर्वजों' द्वारा किए गए वादे को पूरा कर रही है।

सत्तारूढ़ दल ने राज्य सरकार के इस कदम का विरोध करने वालों को याद दिलाया कि संविधान का अनुच्छेद 44 कहता है कि 'सरकार, भारत के पूरे क्षेत्र में नागरिकों के लिए एक समान नागरिक संहिता को सुरक्षित करने का प्रयास करेगी'। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता नलिन कोहली ने जोर देकर कहा कि समान नागरिक संहिता 'संवैधानिक दृष्टिकोण' का हिस्सा है। उत्तराखंड सरकार ने मंगलवार को विधानसभा में समान नागरिक संहिता विधेयक पेश किया। सदन से पारित होने पर आजादी के बाद किसी भी राज्य में लागू होने वाला यह पहला ऐसा कानून होगा। विधेयक में अनुसूचित जनजातियों को छोड़कर उत्तराखंड में सभी नागरिकों के लिए विवाह, तलाक, भूमि, संपत्ति और उत्तराधिकार पर एक आम कानून का प्रस्ताव है, चाहे वे किसी भी धर्म के हों। इसमें राज्य में लिव-इन संबंधों के पंजीकरण और एक महीने के भीतर ऐसा करने में विफल रहने पर तीन महीने की कैद का भी प्रावधान है। इस तरह के रिश्ते से पैदा हुए किसी भी बच्चे को वैध माना जाएगा।

विधायकों की खरीद-फरोख्त के प्रयास पर सख्त कार्रवाई की जाएगी : सम्राट चौधरी

पटना/भाषा। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मंगलवार को कहा कि राज्य की नवगठित राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार अगले सप्ताह विश्वास मत साबित करेगी। उन्होंने राजद के नेतृत्व वाले 'महागठबंधन' को चेतावनी दी कि यदि विधायकों की खरीद-फरोख्त का प्रयास किया गया तो ''कड़ी कार्रवाई'' की जाएगी।

भाजपा की प्रदेश इकाई के प्रमुख चौधरी ने अपने हालिया दिल्ली दौरे के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जैसे शीर्ष नेताओं से मुलाकात की। दिल्ली से लौटने के बाद चौधरी ने यहां 'पीटीआई-भाषा' से कहा, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के जनता दल (यूनाइटेड) के साथ भाजपा के रिश्ते पिछले कुछ दशकों में परिपक्व हुए हैं, बीच में कुछ खट्टे-मीठे अनुभव रहे हैं। विश्वास मत के दौरान तालमेल प्रदर्शित होगा, जिसमें हमारा जीतना तय है। बिहार में 28 जनवरी को बनी नई सरकार को 12 फरवरी को बजट सत्र के पहले दिन विश्वास मत हासिल करना है। जद (यू) प्रमुख नीतीश कुमार के पाला बदलने के कारण अचानक सत्ता गंवाने से आहत 'महागठबंधन' के नेता दावा कर रहे हैं कि राजद नेता अवध बिहारी चौधरी अभी भी विधानसभा अध्यक्ष हैं, ऐसे में सत्र हंगामेदार हो सकता है।

प्रधानमंत्री ने नेहरू के भाषण की कुछ पंक्तियों को गलत तरीके से पेश किया : प्रियंका गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की आलोचना किए जाने के बाद मंगलवार को आरोप लगाया कि मोदी ने नेहरू के एक भाषण की कुछ पंक्तियों को गलत तरीके से पेश किया तथा यह दर्शाता है कि ''स्वतंत्रता आंदोलन के संघर्षों के प्रति उनके मन में कितनी कटुता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लोकसभा में लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब देते हुए अतीत के कुछ प्रसंगों का उल्लेख करते हुए कांग्रेस और देश के प्रथम प्रधानमंत्री नेहरू की आलोचना की थी। उन्होंने जम्मू-कश्मीर और कुछ अन्य मुद्दों को लेकर देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की आलोचना करते हुए कहा था कि देश के लोगों को उनकी गलतियों की बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ी।

प्रियंका गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, भारतीय चेतना के अभिभावक पंडित नेहरू क्या भारतीयों को आलसी मानते थे? कल लोकतंत्र के मंदिर संसद में प्रधानमंत्री मोदी जी ने ठीक यही आरोप पंडित नेहरू पर लगाया। क्या इसमें जरा सी भी सच्चाई है? '' उन्होंने 15 अगस्त, 1959 को दिए नेहरू के उस भाषण का अंश साझा किया, जिसके एक हिस्से को प्रधानमंत्री ने सोमवार को लोकसभा में उद्धृत किया था।

ओडिशा में दो महिला माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया

भुवनेश्वर/भाषा। माओवादी शिविरों में कथित यौन उत्पीड़न के बाद दो महिला माओवादियों ने मंगलवार को ओडिशा के बौध जिले में पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस महानिदेशक (दक्षिणी क्षेत्र) नारायण पंकज ने कहा कि आत्मसमर्पण करने वाली दोनों माओवादी छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले की निवासी हैं। पंकज ने संवाददाताओं से कहा कि दोनों महिलाएं प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) संगठन के कंधमाल-कालाहांडी-बौध-नयागढ़ (केकेबीएन) मंडल से जुड़ी थीं। उन्होंने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाली माओवादी महिलाएं 2018 में प्रतिबंधित संगठन से जुडी थीं। अधिकारी ने कहा कि इन महिलाओं को राज्य में आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों के लिए उपलब्ध लाभ प्राप्त होंगे।

साजिश का शिकार हुए हेमंत सोरेन: झारखंड के मुख्यमंत्री चंपई सोरेन

रांची/भाषा। झारखंड के मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने मंगलवार को दावा किया कि उनके पूर्ववर्ती हेमंत सोरेन एक साजिश का शिकार हुए हैं। मुख्यमंत्री सोरेन ने यहां विधानसभा में संवाददाताओं से कहा, उनकी (हेमंत सारेन) सरकार को पांच साल के लिए जनादेश मिला था... हालांकि, हेमंत बाबू के खिलाफ एक साजिश रची गई और सरकार को चार साल में गिरा दिया गया। उन्होंने कहा कि नेतृत्व में बदलाव हुआ है, लेकिन झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेतृत्व वाला गठबंधन हेमंत सोरेन द्वारा शुरू की गई योजनाओं को आगे बढ़ाना जारी रखेगा। चंपई सोरेन ने कहा, मुझे हेमंत बाबू की अधूरी योजनाओं को पूरा करना है। मंत्रिमंडल विस्तार पर उन्होंने कहा, यह जल्द ही होगा।

इस बीच, कांग्रेस विधायक दल के नेता आलमगीर आलम ने कहा कि मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर बातचीत की जा रही है। झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन में कांग्रेस के मंत्रियों पर निर्णय के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि इस पर निर्णय दिल्ली में पार्टी नेतृत्व द्वारा किया जाएगा। आलम ने कहा कि झारखंड विधानसभा का बजट सत्र 23 फरवरी से होने की उम्मीद है।

तीन वर्षीय बालिका के साथ दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

बिजनौर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले के एक गांव में तीन वर्षीय बालिका को टॉफी दिलाने के बहाने ले जाकर एक युवक ने उसके साथ कथित दुष्कर्म किया। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन ने बताया कि बिजनौर के एक गांव में सोमवार शाम घर के पास खेल रही तीन वर्षीय बालिका को अंकित नामक युवक चॉकलेट दिलाने के बहाने एक खाली मकान में ले गया और उसके साथ कथित दुष्कर्म किया। उन्होंने बताया कि बालिका के चीखने चिल्लाने पर आयी उसकी बड़ी बहन को देखकर अंकित मौके से फरार हो गया। जादौन ने बताया कि आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बालिका का चिकित्सीय परीक्षण कराया है।

विकास के नाम पर आदिवासियों की जमीन छीनी जा रही है : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुमला/खूंटी/भाषा। कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को दावा किया कि देश में विकास के नाम पर आदिवासियों की जमीन ''छीनी'' जा रही है। गांधी की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' आज सुबह झारखंड के खूंटी जिले से फिर शुरू हुई।

उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य की पिछली भाजपा सरकार ने आदिवासियों की कई एकड़ जमीन का अधिग्रहण कर लिया था, लेकिन इस जमीन का कोई इस्तेमाल नहीं किया गया। यात्रा के तहत गुमला जिले के कामडारा चौक पर रोड शो के दौरान सभा को संबोधित करते हुए, कांग्रेस सांसद ने कहा, मैंने यहां झारखंड में कई आदिवासी महिलाओं से बात की और उन्होंने मुझे बताया कि विकास के नाम पर उनकी जमीन छीनकर अंत में कारोबारी घरानों या एनजीओ को दे दी गई। आदिवासियों के लिए यह बड़ा मुद्दा है। उन्होंने कहा कि केंद्र में कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार ने एक भूमि अधिग्रहण कानून पेश किया था, जिसके तहत यह प्रावधान किया गया था कि किसी भी आदिवासी की जमीन ग्राम सभा की सहमति के बिना नहीं ली जाएगी। गांधी ने दावा किया, कानून के प्रावधानों के अनुसार, अगर उनकी जमीन ली भी जाती है, तो उन्हें बाजार दर से चार गुणा मुआवजा दिया जाएगा। और, यदि अधिग्रहीत भूमि का उपयोग पांच साल तक नहीं किया जाता है, तो इसे मूल मालिक को सौंपना होगा। उन्होंने झारखंड की पिछली भाजपा सरकार पर भूमि बैंक बनाने के लिए आदिवासियों की लाखों एकड़ जमीन का अधिग्रहण करने और फिर उसका इसका कोई इस्तेमाल नहीं करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा, अब, आदिवासी अपनी जमीन वापस चाहते हैं।

'एक राष्ट्र, एक चुनाव' भारत में तानाशाही लाने का गुप्त एजेंडा : टीएमसी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के प्रतिनिधिमंडल ने 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' की संभावना तलाशने के लिए गठित समिति से मंगलवार को कहा कि यह भारत में तानाशाही लाने का एक गुप्त एजेंडा है।

टीएमसी के नेता सुदीप बंद्योपाध्याय और कल्याण बनर्जी पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली समिति की बैठक में शामिल हुए। इससे पहले पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी बैठक में शामिल होने वाली थीं, लेकिन उन्होंने राज्य के बजट संबंधी कार्यों के चलते अंतिम समय में दिल्ली का दौरा रद्द कर दिया। कल्याण बनर्जी ने बैठक के बाद मीडिया से कहा कि उन्होंने ममता बनर्जी के लिखे एक पत्र का जिक्र करते हुए 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के विचार का विरोध किया। उन्होंने कहा, हम पूर्व राष्ट्रपति की अध्यक्षता वाली समिति के साथ हुई बैठक में शामिल हुए। हमने अपनी नेता ममता बनर्जी के लिखे पत्र का जिक्र किया। हमने बहुत स्पष्ट रूप से कहा है कि हम 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के विचार का विरोध कर रहे हैं। यह भविष्य में तानाशाही सरकार बनाने का एक गुप्त एजेंडा है।

ईडी ने 'अवैध' रेत खनन मामले में बिहार में जदयू विधान पार्षद की संपत्ति कुर्क की

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को कहा कि उसने बिहार में कथित अवैध रेत खनन मामले की अपनी धन शोधन जांच के तहत राज्य विधानपरिषद के सदस्य और जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के नेता राधा चरण साह की 26 करोड़ रुपए की दो अचल संपत्तियां कुर्क कीं। बिहार पुलिस ने 'ब्रॉड सन कमोडिटीज प्राइवेट लिमिटेड' और अन्य के खिलाफ भादंसं (आईपीसी) और बिहार खनिज (रियायत, अवैध खनन, परिवहन और भंडारण की रोकथाम) नियम, 2019 की विभिन्न धाराओं के तहत कुल 19 प्राथमिकियां दर्ज की थीं, जिसके आधार पर निदेशालय ने धन शोधन का मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी।

प्रवर्तन निदेशालय ने एक बयान में दावा किया कि जांच में सामने आया कि रेत की अवैध बिक्री और इसके खनन को मुख्य रूप से एक गिरोह द्वारा नियंत्रित किया गया और इस गिरोह के सदस्य होने के नाते राधा चरण 'साह ब्रॉड सन कमोडिटीज प्राइवेट लिमिटेड' के माध्यम से अपराध से भारी-भरकम आय प्राप्त कर रहे थे। उन्होंने (राधा चरण साह) हवाला नेटवर्क का उपयोग कर अपने बेटे कन्हैया प्रसाद की सहायता से अपराध की आय को छिपाया और धन शोधन किया। ब्रॉड सन कमोडिटीज प्राइवेट लिमिटेड' बिहार के खनन प्राधिकरण द्वारा जारी विभागीय प्री-पेड परिवहन ई-चालान का उपयोग किए बिना अवैध रेत खनन और रेत की बिक्री में शामिल रही है और इससे सरकारी खजाने को 161.15 करोड़ रुपए की भारी राजस्व हानि हुई। ईडी ने पिछले वर्ष साह, उनके बेटे कन्हैया प्रसाद और ब्रॉड सन कमोडिटीज के निदेशकों मिथिलेश कुमार सिंह, बबन सिंह और सुरेंद्र कुमार जिंदल को गिरफ्तार किया था और वर्तमान में वे न्यायिक हिरासत के तहत जेल में बंद हैं।

अच्छा महसूस कर रहा हूं, उम्मीद है टोक्यो में खेल पाऊंगा : लियोनेल मेस्सी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

टोक्यो/एपी। हांगकांग में इंटर मियामी के एक फुटबॉल मैच के दौरान बेंच पर बैठे रहने के कारण हुए विवाद के बाद अर्जेंटीना के महान खिलाड़ी लियोनेल मेस्सी बुधवार को टोक्यो में जापान के क्लब विस्सेल कोबे के खिलाफ मैदान में उतर सकते हैं। इससे पहले रविवार को हांगकांग में मेस्सी के नहीं खेलने के कारण नाराज प्रशंसकों और सरकार दोनों की तीखी प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ा था।

इस बहुचर्चित प्रदर्शनी मैच के दौरान प्रशंसकों ने इंटर मियामी के सह मालिक डेविड बेकहम की आलोचना की और पैसे वापसी की मांग की क्योंकि मेस्सी पैर की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण एक स्थानीय टीम के खिलाफ मैच के दौरान पूरे 90 मिनट बेंच पर बैठे रहे। इंटर मियामी टीम के उनके साथी खिलाड़ी लुईस सुआरेज भी इस मुकाबले के दौरान बेंच पर रहे।

इंटर मियामी से जुड़ने के बाद मेस्सी आम तौर पर मीडिया से बचते रहे है लेकिन मंगलवार को वह संवाददाता सम्मेलन में पहुंचे। वह निश्चित रूप से जापान के स्थानीय प्रायोजकों के दबाव में थे। उन्होंने कहा, पिछले कुछ दिनों की तुलना में मैं अच्छा महसूस कर रहा हूं। उन्होंने कहा, मेरा मैदान पर उतरना इस बात पर निर्भर करता है कि अभ्यास सत्र कैसा रहता है। मैं ईमानदार हूं, तो मुझे अभी भी नहीं पता कि मैं ऐसा कर पाऊंगा या नहीं। लेकिन मैं काफी बेहतर महसूस कर रहा हूं और मैं वास्तव में ऐसा करने में सक्षम होना चाहता हूं।

मेस्सी ने इस मौके पर हांगकांग के अपने प्रशंसकों से कहा कि उनके लिए ग्रोइन की चोट के कारण मैदान पर उतरना मुमकिन नहीं था। उन्होंने कहा, सच्चाई यह है कि हांगकांग वाले मैच के दिन किस्मत अच्छी नहीं थी। चोट के कारण मेरे लिए खेलना बहुत मुश्किल था। दुर्भाग्य से, फुटबॉल या किसी भी खेल में ऐसी चीजें हो सकती हैं''

भारतीय बल्लेबाजों को काफी मेहनत करनी होगी : जहीर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विशाखापत्तनम/भाषा। भारतीय टीम के पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान ने इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा टेस्ट शृंखला में भारत की लचर बल्लेबाजी की आलोचना करते हुए कहा कि यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल के व्यक्तिगत प्रदर्शन से टीम दूसरे टेस्ट को जीतने में सफल रही। जायसवाल और गिल ने जहां बल्ले से अच्छा प्रदर्शन किया वहीं जसप्रीत बुमराह ने मैच में नौ विकेट चटकाए जिससे भारत ने दूसरे टेस्ट को 106 रन से जीतकर पांच मैचों की शृंखला 1-1 से बराबर की।

जहीर ने 'जियो सिनेमा' से कहा, जब आप टीम को देखते हैं तो कुछ चिंताएं होती हैं - बल्लेबाजी एक ऐसी ही चीज है। हमने अतीत में इन परिस्थितियों में, इस तरह की पिचों पर भारत को बेहतर प्रदर्शन करते देखा है। उन्होंने कहा, आप अगर इंग्लैंड की दूसरी पारी को देखेंगे तो सिर्फ एक बल्लेबाज अर्धशतक लगा पाया था फिर भी उनकी टीम 300 रन के करीब पहुंचने में सफल रही। समग्र प्रयास से ऐसे नतीजे आते हैं। हमने इस मैच में भारत की ओर से दो शानदार पारियां (जायसवाल और गिल) देखी है लेकिन बल्लेबाजी में अब भी काफी मेहनत करने की जरूरत है।

सुविचार

हम भगवान को खोजने कहां जा सकते हैं अगर उनको अपने दिल और हर एक जीवित प्राणी में नहीं देख सकते।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सनातन धर्म और राष्ट्रीय सुरक्षा

सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने वर्तमान सामरिक आवश्यकताओं के संबंध में प्राचीन ग्रंथों के ज्ञान को लेकर जो टिप्पणी की है, वह अत्यंत प्रासंगिक है। निस्संदेह ये ग्रंथ हमें अध्यात्म के साथ ही राष्ट्रीय सुरक्षा की भी शिक्षा देते हैं। शासक में कैसे गुण होने चाहिएं, उसे शासन कैसे चलाना चाहिए, जनता के हितों की रक्षा कैसे करनी चाहिए, राजनयिक संबंध कैसे होने चाहिएं, किनसे मित्रता करनी चाहिए, अगर कोई शासक शत्रुतापूर्ण व्यवहार करे तो सुरक्षा को लेकर क्या इंतजाम करने चाहिएं, अगर युद्ध करना पड़े तो कैसे करना चाहिए ... हमारे ग्रंथों में ऐसे असंख्य प्रश्नों के उत्तर मिल जाएंगे। प्राचीन काल में जब ऋषि-महात्मा लोककल्याण के लिए यज्ञ करते थे तो उसमें विघ्न डालने के लिए राक्षसी शक्तियां मंडराने लगती थीं। प्रभु श्रीराम एवं उनके भ्राता लक्ष्मण ने ऐसी शक्तियों के खिलाफ धनुष उठाया और उनका संहार कर ऋषियों के यज्ञादि को सफल बनाया था। हम देखते हैं कि आज भी जब किसी शुभ कार्य का आयोजन होता है तो उसमें चीन-पाक जैसी शक्तियां विघ्न डालने की कोशिश करती हैं। वे तो करेंगी ही, चूंकि ऐसा करना उनकी प्रवृत्ति है! इस मामले में भारत को श्रीराम का अनुसरण करते हुए विध्वंसक तत्त्वों के खिलाफ अपना रुख कड़ा रखना होगा। हम यह तो जानते हैं कि हनुमानजी बल, बुद्धि एवं विद्या के दाता हैं, लेकिन कितने लोग जानते हैं कि वे उच्चतम कोटि के गुप्तचर (मास्टर स्पाइ) भी हैं? हनुमानजी ने माता सीता का पता लगाने के लिए लंका में प्रवेश के दौरान राक्षसों के सुरक्षा घेरे को किस तरह विफल किया, कैसे अपना परिचय दिया, किस तरह दृढ़ रहे, कैसे लंका-दहन किया और लौटने के बाद किस तरह रिपोर्ट दी ... यह सबकुछ अद्भुत है। 'लंका-दहन' तो 'सर्जिकल स्ट्राइक' की शानदार मिसाल है। भारत की खुफिया एजेंसियों और आतंकवाद-निरोधक दस्ते के अधिकारियों-कर्मचारियों को इसका ज़रूर अध्ययन करना चाहिए।

भगवान श्रीकृष्ण की लीलाएं अनंत हैं। कभी वे माखन खाते, मुरली बजाते, गाय चराते दिखाई देते हैं, तो कभी सुदर्शन चक्र से दुष्टों का संहार करते नज़र आते हैं। शिशुपाल के दुर्व्यवहार को क्षमा करते गए, लेकिन जब उसका दुस्साहस बढ़ता ही गया तो कठोर दंड देने से नहीं हिचके। वे पांडवों को उनका हक दिलाने के लिए आदर्श राजनयिक के तौर पर जाते हैं। जब उनका विनम्र प्रस्ताव दुर्योधन द्वारा ठुकरा दिया जाता है तो भी शांति स्थापना के लिए हर संभव प्रयास करते हैं। वे गुरु के तौर पर अर्जुन को गीता का ज्ञान देते हैं। वहीं, सारथी बनकर उसका रथ भी हांकते हैं! वीर बर्बरीक अपनी दानशीलता, तपोबल, निर्भीकता, शुद्ध अंतःकरण और 'हारे का सहारा' बनने के संकल्प जैसे कई सद्गुणों के कारण श्रीकृष्ण से वरदान में उनका 'श्याम' नाम और दिव्य शक्तियां पाते हैं। हमें श्याम प्रभु के तीन बाण और धनुष बहुत गहरी सीख देते हैं- अगर पीड़ितों, शोषितों, वंचितों का सहारा बनना है तो उज्ज्वल चरित्र के साथ ही शक्ति-संपन्न होना ज़रूरी है। यहां शक्ति का अर्थ 'केवल अस्त्र' नहीं है। शक्तियां कई तरह की हो सकती हैं। अगर अपनी लेखनी से सत्य लिखकर किसी पीड़ित को न्याय दिलाया जाए, तो वह शक्ति का ही एक स्वरूप है। इसी तरह, मां दुर्गा के मुख से ममता झलकती है, लेकिन वे हाथों में अस्त्र-शस्त्र धारण कर सिंह पर सवार रहती हैं। वे क्रूर राक्षसों का वध करती हैं। स्वामी विवेकानंद, महर्षि अरविंद, नेताजी सुभाष चंद्र बोस सरीखे महापुरुषों ने भारत को इसी 'माता' के रूप में देखा और पूजा है। जब माता इतनी दिव्य है तो संतानों को भी दिव्य होना चाहिए। आतंकवाद (जिसके पीछे विदेशी शक्तियों का बड़ा नेटवर्क है) के राक्षस का अंत करने के लिए अपने स्तर पर देश की एकता और अखंडता को मजबूत करने में योगदान देना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

भारतीय चेतना के अभिभावक पंडित नेहरू क्या भारतीयों को आलसी मानते थे? लोकतंत्र के मंदिर संसद में मोदी जी ने ठीक यही आरोप पं नेहरू पर लगाया। क्या इसमें जरा सी भी सच्चाई है? कुछ भी सोचने से पहले पं नेहरू का वह भाषण पढ़ और सुन लीजिए।

-सचिन पायलट

आज दिल्ली में वॉटर एंड वेस्ट मैनेजमेंट पर एक विशेष सेमिनार में भागीदारी कर इस क्षेत्र में मोदी सरकार का नज़रिया और उसके अनुरूप कार्ययोजना व क्रियान्वयन को सामने रखा। ख़ास है कि मोदी ने इससे जुड़े अभियानों को जन आंदोलनों में बदला ।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

राजस्थान विधानसभा में पधारे राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय के प्रतिनिधि मंडल से मुलाकात की। इस प्रतिनिधि मंडल में भारत, केन्या, इजिप्ट और रूस के अधिकारी सम्मिलित थे। इस अवसर पर सभी को राजस्थान विधानसभा की कार्य प्रणाली से भी अवगत कराया।

-वासुदेव देवनानी

प्रेरक प्रसंग

क्रोध की तार्किकता

परशुराम भगवान विष्णु के अवतार माने जाते हैं। वे वर्ण से ब्राह्मण और कर्म से योद्धा थे। भगवान परशुराम धर्म और नीति की प्रतिमूर्ति, समता और न्याय के प्रतीक, शस्त्र और शास्त्र के अद्भुत समन्वय थे। एक बार एक आत्मीय ने उनके क्रोधी स्वभाव पर नाराजगी जताते हुए कहा- एक ऋषि के लिए क्रोध या हिंसा कार्य करना नीति विरुद्ध है। तुम्हें अपने स्वभाव में परिवर्तन करना चाहिए। परशुरामजी ने जवाब दिया- वही क्रोध करना वर्जित है, जो अपने स्वार्थ या अहंकार की रक्षा के लिए किया जाए। अन्याय के विरुद्ध क्रोध करना तो मानवता के हित में और धर्म-सम्मत है। अन्याय के विरुद्ध क्रोध-अक्रोध जैसे नीति-नियमों में उलझे रहने का कोई प्रयोजन नहीं। नम्रता और ज्ञान से सज्जनों पर और प्रतिरोध व दंड से दुष्टों पर विजय पाई जा सकती है। यही सनातन नीति है।

सामयिक

दुनियाभर में बढ़ रही जंगलों में आग की घटनाएं

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 9414441218

दक्षिणी अमेरिकी देश चिली के जंगलों में आग से लगभग सवा सौ लोगों की अकाल मृत्यु का समाचार विचलित कर देने वाला है। चिली में दो दिन के राष्ट्रीय शोक का ऐलान भी हुआ है। देश और दुनिया में जलवायु परिवर्तन और अन्य मानव जनित कारणों से वनों में आग लगने की घटनाएं तीन गुना से अधिक बढ़ गई हैं। बढ़ते तापमान से आग लगने की घटनाएं भी बढ़ जाती हैं। ग्रीष्म ऋतु में जंगलों में आग लगने की घटनाओं में तेजी से इजाफा होने लगा है। आग के चलते पेड़ पौधों के साथ जंगली जानवर मौत के शिकार हुए वहां भूमि भी बंजर हो गयी। ताजा संकट चिली में देखने को मिल रहा है जहां भीषण आग ने लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। यह चिली में लगी सबसे बड़ी आग में से एक है, जिसका कारण हीटवेव बताया जा रहा है। गर्मी के महीनों के दौरान अक्सर जंगल की आग की चपेट में आ जाता है। चिली के मध्य और दक्षिण क्षेत्र में 92 जंगलों में आग लगी है। बड़ी चिंता यह है कि आग घनी आबादी वाले क्षेत्रों की ओर फैल रही है। इस कारण लोगों, घरों और सुविधाओं के प्रभावित करने की बहुत अधिक आशंका है। चिली में गर्मियों के दौरान जंगल की आग आम बात है। पिछले साल यहां रिकॉर्ड गर्मी के दौरान लगी आग में 27 लोगों की मौत हो गई और 400,000 हेक्टेयर से अधिक भूमि प्रभावित हुई थी। स्थिति भयानक होने के कारण चिली के राष्ट्रपति ने देश में इमरजेंसी का ऐलान किया है। इस सप्ताह के अंत में चिली का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया था, जिससे लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा. तापमान बढ़ने से आग और बढ़ने लगा।

यूरोपियन फॉरेस्ट फायर इंफॉर्मेशन सिस्टम ने 19 देशों को जंगलों की आग के लिए बेहद संवेदनशील, वहीं स्पेन, पुर्तगाल, ग्रीस और फ्रांस को एक्सट्रीम डेंजर मे बताया। इनके अलावा मोरक्को, अमेरिका, कनाडा दुनिया के वे हिस्से हैं, जहां जुलाई से सितंबर के बीच लगातार जंगलों में भीषण आग से तबाही मची रहती है। जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के कारण दुनिया के विभिन्न देश प्राकृतिक आपदाओं का सामना कर रहे हैं। देश और दुनिया में जलवायु परिवर्तन और अन्य मानव जनित कारणों से वनों में आग लगने की घटनाएं तीन गुना से अधिक बढ़ गई हैं। इसकी वजह है पृथ्वी का गर्म होना। जैसे-जैसे तापमान बढ़ता है, पेड़ सूखने लगते हैं और उनमें आग लगने का खतरा बढ़ जाता है। ग्लेशियर और बर्फ की चादरें एक ही समय में पिघलती हैं, जिससे जंगल लंबे समय तक सूखे रहते हैं। आने वाले वर्षों में जंगल की आग और अधिक आम हो जाएगी क्योंकि तापमान और ग्लोबल वार्मिंग में वृद्धि जारी रहेगी। तापमान में वृद्धि से जंगल में वनस्पति और वन्य जीवन दोनों प्रभावित होंगे। गर्मी और पानी की कमी जंगल की आग और भी अधिक प्रभावित करेगी। जंगल में आग लगने के कई कारण होते हैं। इनमें ईंधन, ऑक्सीजन और गर्मी मुख्य है। अगर गर्मियों का मौसम है, तो सूखा पड़ने पर ट्रेन के पहिए से निकली एक चिंगारी भी आग लगा सकती है। इसके अलावा कभी-कभी आग प्राकृतिक रूप से भी लग जाती है। ये आग ज्यादा गर्मी की वजह से या फिर बिजली कड़कने से लगती है।

जंगलों में आग लगने की ज्यादातर घटनाएं इंसानों के कारण होती हैं, जैसे आगजनी, कैम्पफायर, बिना बुझी सिगरेट फेंकना, जलता हुआ कचरा छोड़ना, माचिस या ज्वलनशील चीजों से खेलना आदि। जंगलों में आग लगने के मुख्य कारण बारिश का कम होना, सूखे की स्थिति, गर्म हवा, ज्यादा तापमान भी हो सकते हैं। इन सभी कारणों से जंगलों में आग लग सकती है। जंगलों में आग से करोड़ों अरबों की वन संपदा खाक हो जाती है। पेड़ पौधों के साथ जंगली जानवर मौत के शिकार होते है वहां भूमि भी बंजर हो जाती है।

जंगलों में लगी आग से जान-माल के साथ-साथ पर्यावरण को भारी नुकसान होता है। पेड़-पौधों के साथ-साथ जीव-जन्तुओं की विभिन्न प्रजातियां जलकर राख हो जाती हैं। जंगलों में विभिन्न पेड़-पौधे और जीव-जन्तु मिलकर समृद्ध जैवविविधता की रचना करते हैं। पहाड़ों की यह समृद्ध जैवविविधता ही मैदानों के मौसम पर अपना प्रभाव डालती हैं। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि ऐसी घटनाओं के इतिहास को देखते हुए भी कोई ठोस योजना नहीं बनाई जाती है।

नजरिया

महाराष्ट्र में किसकी मुश्किल बढ़ाएंगी छोटी पार्टियां?

अशोक भाटिया

मोबाइल : 9221232130

वर्ष 2024 लोकसभा चुनावों से पहले महाराष्ट्र में महाविकास आघाड़ी अलायंस का विस्तार हुआ है। संविधान निर्माता बाबा साहब आंबेडकर के पौत्र प्रकाश आंबेडकर राज्य में महाविकास आघाड़ी के साथ मिलकर लोकसभा चुनाव लड़ेंगे। मुंबई में राज्य की 48 लोकसभा सीटों की शेयरिंग के हुई बैठक में वंचित बहुजन आघाडी के प्रमुख प्रकाश आंबेडकर भी शामिल हुए। बैठक से पहले प्रकाश आंबेडकर का फूल देकर स्वागत किया गया था। शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत ने प्रकाश आंबेडकर के एमवीए में आने पर खुशी जताई उन्होंने कहा कि संविधान की रक्षा की लड़ाई अब वे मिलकर लड़ेंगे।

बताया जाता है कि आंबेडकर के महाविकास आघाड़ी (एमवीए) में शामिल के होने के बाद घटक दलों की संख्या मोटे तौर पर बढ़कर चार हो गई है। इनमें कांग्रेस, शिवसेना (यूबीटी) और एनसीपी (शरद पवार) की पार्टी शामिल है। तीनों पार्टियों के बीच राज्य की 34 सीटों पर सीट शेयरिंग तय हो चुकी है। राज्य की 14 सीटों को लेकर दलों के बीच पेंच फंस रहा था।

पिछली बैठक में यह कहा गया था कि अगली बैठक में इन सीटों शेयरिंग तय हो जाएगी। जिस सीटों पर पेंच फंस रहा है उनमें प्रमुख तौर पर वर्धा, रामटेक, भिवंडी, हिंगोली, जालना, मुंबई उत्तर पश्चिम, मुंबई उत्तर मध्य, मुंबई दक्षिण मध्य और शिरडी शामिल हैं। एमवीए में वंचित बहुजन आघाड़ी की इंट्री के बाद दो से तीन सीट प्रकाश आंबेडकर की पार्टी के पास जाने की उम्मीद है।

कांग्रेस महाराष्ट्र में 20 से 22 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ सकती है, जबकि शरद पवार के नेतृत्व वाले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (छउझ) गुट छह से आठ सीटें मिल सकती हैं। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना 18 सीटें मिलने की उम्मीद है। ऐसे में वंचित बहुजन अघाड़ी (तइ-) नेता प्रकाश अंबेडकर को कांग्रेस अपने खाते से सीटें देगी, जबकि अगर अलायंस में स्वाभिमानी शेतकारी संगठन की इंट्री होती है तो शिवसेना (यूबीटी) ने हातकणंगले लोकसभा छोड़ेगी, हालांकि राज्य में नीतीश कुमार की अगुवाई वाली जनता दल यूनाइटेड ने भी एक सीट की मांग रखी है। 2019 के लोकसभा चुनावों में वंचित बहुजन आघाड़ी ने एआईएमआईएमए के साथ मिलकर 47 सीटों पर लड़ा था। तब वंचित बहुजन आघाड़ी को एक भी सीट पर जीत नहीं मिली थी। पार्टी को 6.82 फीसदी वोट मिले थे। प्रकाश आंबेडकर की पार्टी को 3,743,560 वोट हासिल हुए थे। औरंगाबाद सीट पर -एआईएमआईएम को जीत मिली थी। प्रकाश आंबेडकर के एमवीए से जुड़ने के बाद दलित वोटों के साथ मुस्लिम वोटों का फायदा अलायंस को मिल सकता है। 2019 में विधानसभा चुनावों में वंचित बहुजन आघाड़ी राज्य की 10 सीटों पर दूसरे नंबर पर रही थी। पार्टी को राज्य में 24 लाख वोट हासिल हुए थे। वंचित बहुजन आघाड़ी के प्रमुख प्रकाश आंबेडकर अकोला से लड़े थे। वे दूसरे नंबर पर रहे थे। इस सीट पर बीजेपी को जीत हासिल हुई थी। प्रकाश आंबेडकर फिर से अकोला से लड़ सकते हैं। प्रकाश आंबेडकर के एमवीए में आने से करीब आठ लोकसभा सीटों पर अलायंस को वोटों में फायदा हो सकता है।

इधर दूसरे दलों कि बात करें तो ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) आगामी लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र की कुल 48 लोकसभा सीट में से पांच पर चुनाव लड़ने की योजना बना रही है। पार्टी के एक नेता ने यह जानकारी दी है । रविवार को यहां भिवंडी में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए एआईएमआईएम की महाराष्ट्र इकाई के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. अब्दुल गफ्फार कादरी ने कहा कि पार्टी राज्य की उत्तरी मुंबई, धुले, नांदेड़, भिवंडी और छत्रपति संभाजीनगर सीट पर अपने उम्मीदवारों को उतारने की योजना बना रही है। उन्होंने कहा कि असदुद्दीन ओवैसी नीत पार्टी प्रभावी चुनावी रणनीति तैयार करने के लिए फिलहाल इन सीट पर सर्वेक्षण कर रही है।

इसके साथ ही कादरी ने विपक्षी कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी पर खुद को धर्मनिरपेक्ष बताने के लिए निशाना साधने से नहीं चुकें और कहा कि दोनों दल एआईएमआईएम को अछूत मानते हैं। उन्होंने 'तथाकथित' धर्मनिरपेक्ष दलों द्वारा एआईएमआईएम के साथ किए गए व्यवहार को लेकर भी सवाल उठाया। एआईएमआईएम, विपक्षी गठबंधन का हिस्सा नहीं है। -IMIM ने 2019 के चुनावों में औरंगाबाद सीट पर जीत हासिल की थी। पिछले लोकसभा चुनावों में -खचखच प्रकाश आंबेडकर की अगुवाई वाली वंचित बहुजन आघाड़ी (तइ-) के साथ मिलकर चुनाव लड़ी थी। इसके चलते -खच खच औरंगाबाद सीट को जीतने में सफल रही थी, हालांकि तब वंचित बहुजन आघाड़ी को एक भी सीट नहीं मिल पाई थी। कांग्रेस और शिवसेना (यूबीटी) ने बीआरएस की भाजपा की 'बी-टीम' कहकर निंदा की है, जबकि श्री खोत, जो श्री शेट्टी के पूर्व करीबी सहयोगी और अब उनके कट्टर विरोधी हैं, दोनों एमवीए के लिए खतरा पैदा करते हैं।देखा जाय तो प्रकाश अंबेडकर की वंचित बहुजन अघाड़ी (वीबीए) और असदुद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम भाजपा की कथित सांप्रदायिक विचारधारा के विरोधी हैं, लेकिन उन्होंने अतीत में कांग्रेस और एनसीपी के वोटों में सेंध लगाकर पार्टी को परोक्ष रूप से फायदा पहुंचाया है। 2019 के लोकसभा चुनाव में, वीबीए-एआईएमआईएम गठबंधन द्वारा दलित और अल्पसंख्यक वोट छीनने के बाद कांग्रेस और एनसीपी उम्मीदवारों को कम से कम 10 लोकसभा सीटों पर हार का सामना करना पड़ा।

इसके अलावा महाराष्ट्र में और भी छोटे कई दल सक्रिय है जिन्हें पिछले विधान सभा चुनाव में सफलता मिली थीं । बहुजन विकास आघाडी- 3 सीपीआईएम- 1 जन सुराज्य शक्ति- 1 क्रांतिकारी शेतकारी पार्टी- 1 एमएनएस- 1 पीजैन्ट्स एण्ड वर्कर्स पार्टी ऑफ इण्डिया- 1 प्रहार जनशक्ति पार्टी- 2 राष्ट्रीय समाज पक्ष- 1 समाजवादी पार्टी- 2 स्वाभिमानी पक्ष- 1 निर्दलीय- 13 . ये दल भी 2024 के लोकसभा चुनाव में अपना प्रभुत्व बनाए रखने के लिए यां तो स्वतंत्र चुनाव लड़ सकते है यां अपनी सहूलत के साथ किसी बड़े संगठन के साथ जा सकते है । भले ही न जीतें पर वोट काटने तो काम कर ही सकते है।

नजरिया

काश, नरेश गोयल रास्ते से न भटके होते

आर.के. सिन्हा

एक समय के विमानन की दुनिया में एयर इंडिया के बाद दूसरा स्थान रखने वाले जेट एयरवेज के फाउंडर चेयरमेन रहे नरेश गोयल की हाल ही में कुछ अखबारों में छपी एक फोटो में उनकी बेहद खराब सेहत हालत को देखकर उनके अनेकों मित्रों और करीबियों को निराश तो जरूर ही हुई होगी। नरेश गोयल आजकल मुंबई की एक जेल में विचाराधीन क़ैदी के रूप में बंद हैं। उन पर धोखाधड़ी के बहुत से केस चल रहे हैं। उनकी पत्नी भी बीमार है। उन्होंने मुंबई की एक अदालत में यहां तक कहा कि अब उन्हें मर ही जाना चाहिए। भारत के एविएशन सेक्टर के कभी शिखर नाम रहे नरेश गोयल की मौजूदा हालत और उनके पीछे के कारण, वास्तव में एक बड़ा सबक है, बिजनेस की दुनिया के लोगों के लिए।

नरेश गोयल 1970 के दशक के अंत से लेकर 1980 के दशक में राजधानी के बंगाली मार्केट की एक बरसाती में रहते थे। उन्होंने कुछ दिनों तक मशहूर बंगाली स्वीट हाउस में नौकरी भी की थी। नरेश गोयल बंगाली मार्केट के एक घर की बरसाती में कुछ दोस्तों के साथ साझा किरायेदार के रूप में रहते थे। बंगाली मार्केट के अलावा नरेश गोयल माहबत खान रोड के सरकारी घरों में भी किराए पर रहे। वे तब दिल्ली के अंसल भवन की एक एयरलाइंस की टिकटों का बिजनेस काम करने वाली छोटी सी कंपनी में काम करते थे। वे सुबह-शाम का खाना बंगाली मार्केट के करीब रिफ्यूजी मार्केट में खा लिया करते थे। वे पंजाब के शहर संगरूर से दिल्ली आए थे। बेशक, वे नरेश गोयल के संघर्ष के दिन थे। वे दिन-रात मेहनत करते रहते थे।

नरेश गोयल दिल्ली में नौकरी करने के इरादे से तो नहीं आये थे। उनके कई बड़े सपने थे। संघर्ष के दिनों में भी उनकी तमन्ना आकाश को छूने की ही रहती थी। कुछ दिनों तक बंगाली मार्केट में नौकरी करने के बाद वे पूरी तरह से एयरलाइंस की दुनिया में डूब गए। उन्होंने सबसे पहले इराक और कुवैत एयरलाइंस की टिकटों को बेचने का काम शुरू किया। नरेश गोयल का धंधा उनकी मेहनत से फौरन चमकने लगा। वे जल्द ही मोटी रक़म कमाने लगे। उसी दौर में उन्होंने ईस्ट दिल्ली में एक घर भी खरीद लिया।

नरेश गोयल का काम और चमका तो वे चार्टर फ्लाइट के बिजनेस में कूद पड़े। इसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुडकर देखने की जरूरत नहीं समझी। नरेश गोयल अमृतसर से चार्टर फ्लाइट लेकर लंदन जाने लगे। उनका दिल्ली, अमृतसर, मुंबई और लंदन लगातार आना-जाना लगा रहता।

सरकार ने जब 1991 के बाद एविएशन सेक्टर में प्रत्यक्ष पूंजी निवेश (एफडीआई) का रास्ता खोला, तो नरेश गोयल को लगा कि अब आकाश में उड़ने का वक्त आ गया है। वे तब मुंबई पूरी तरह से शिफ्ट हो गए। वहां पर उन्हें बिजनेस की दुनिया को करीब से जानने का मौका मिला। उसके बाद वे अपने दिल्ली के दोस्तों से दूर होते चले गए। बंगाली मार्केट कहीं बहुत पीछे छूट गई। मुंबई में उन्हें एक नया सर्किल मिल गया। वे जेआरडी टाटा के भी करीबी बन गए। उन्होंने जेट एयरवेज लांच की तो शाहरुख खान, जावेद अख्तर और यश चोपड़ा को अपनी एयरलाइंस कंपनी का डायरेक्टर बनाया।और, आज जब देश का एविएशन सेक्टर लंबी छलाँगे लगा रहा है, तब नरेश गोयल जेल में हैं। उनके जेट एयरवेज की उड़ानें 17 अप्रैल 2019 से बंद है। वे मुंबई की जेल में अपने दिल्ली के संघर्ष के दिनों के साथियों को याद तो ज़रूर ही करते होंगे।

नरेश गोयल से कामकाज के दौरान कुछ चूक

तो ज़रूर ही हुई है। इसलिए ही प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने केनरा बैंक में 538 करोड़ रुपये की कथित धोखाधड़ी के मामले में नरेश गोयल और पांच अन्य के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया है । देखा जाए तो नरेश गोयल को भी देश में आर्थिक उदारीकरण की बयार ने बिजनेस की दुनिया में कूदने की प्रेरणा दी। उदय कोटक, एन.नारायणमूर्ति, नंदन नीलकेणी,शिव नाडार, नरेश गोयल समेत सैकड़ों नौजवानों को 1990 के दशक में सही ही लगा कि अब कुछ उद्यम शुरू करने का वक्त आ गया है। इंस्पेक्टर और लाइसेंस राज से मुक्ति मिल गई है। सबने बहुत छोटे स्तरों से अपना कामकाज शुरू किया। इन सबको आर्थिक उदारीकरण ने अपने जौहर दिखाने के पर्याप्त अवसर भी दिए। सबने लंबी छलांग लगाई। पर शायद नरेश गोयल सही रास्ते से तनिक भटक गए। वे मुंबई की चकाचौंध भरी दुनिया में खो गए। वे अपनी जेट एयरवेज में एविएशन सेक्टर के विशेषज्ञों की बजाय बॉलीवुड की हस्तियों को कंपनी के बोर्ड में जगह देने लगे। नतीजा अब सबके सामने है। नरेश गोयल टाटा समूह के पुराण पुरुष जेआरडी टाटा के मित्र तो बन गए पर उनकी तरह अपने कोई सलाहकार नहीं रख सके।

जेआरडी टाटा की कोर टीम में अजित केरकर (ताज होटल), एफ.सी. कोहली (टीसीएस), प्रख्यात विधिवेत्ता ननी पालकीवाला (एसीसी सीमेंट), रूसी मोदी (टाटा स्टील) वगैरह थे। जेआरडी टाटा लाख व्यस्त होने पर भी रोज अपने इन सलाहकारों से 45 मिनट से घंटे - डेढ़ घंटे की बैठक करते थे। अगर आज भारत को सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में दुनिया सबसे खास शक्तियों में से एक माना जाता है और भारत का आईटी सेक्टर का व्यापार यदि करीब 200 अरब डॉलर प्रति साल तक पहुंच गया है, तो इसका श्रेय कुछ हद तक तो आपको एफ.सी. कोहली को तो देना ही होगा। आप कह सकते है कि कोहली जी ने ही देश में निर्यात परक आईटी उद्योग की नींव रखी। वे प्रौद्योगिकी जगत में नवोन्मेष और उत्कृष्टता की संस्कृति को संस्थागत स्वरूप देने वालों में सबसे आगे रहे। अगर उन्होंने देश के आईटी सेक्टर की नींव रखी तो जेआरडी टाटा को क्रेडिट देना होगा कि उन्होंने ही कोहली जी को टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेस (टीसीएस) को स्थापित करने और आगे चलकर उसे चलाने का भी जिम्मा सौंपा था।

जेआरडी टाटा में सही सहयोगियों को पहचानने और उनमें नेतृत्व क्षमता विकसित करने का यह गुण अदभुत था। उन पर ईश्वरीय कृपा थी कि वे चुन-चुनकर एक से बढ़कर एक कुशल एक मैनेजरों को अपने साथ जोड़ लेते थे। काश, नरेश गोयल भी जेआरडी टाटा से कुछ गुण सीख लेते। नरेश गोयल की आगे की भी राह कोई बहुत आसान नहीं है। यह देखना होगा कि क्या वे अपने को कानून की नजरों में कभी निर्दोष साबित कर सकेंगे। नरेश गोयल अगर रास्ते से न भटकते और पूरे फोकस से अपनी जेट एयरवेज को चला रहे होते, तो वे आज वे भारतीय बिजनेस की दुनिया का चमकता हुआ सितारा होते। अफसोस यह हो न सका।नये उद्यमियों को इससे एक सीख लेने की ज़रूरत है, कि बिज़नेस में शोर्ट कट से पैसे पैदा करना घातक हो सकता है।

- लेखक पूर्व सांसद हैं।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता ।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बातचीत

कांग्रेस नेता राहुल गांधी मंगलवार को झारखंड के खूंटी जिले में 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के दौरान लोगों से बातचीत करते हुए।

राज्यसभा में ईशनिंदा कानून बनाए जाने की उठी मांग, भोजन की बर्बादी पर जताई गई चिंता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। राज्यसभा में मंगलवार को ईशनिंदा कानून बनाए जाने और संविधान की प्रस्तावना में 'अहिंसा' शब्द जोड़े जाने की मांग की गई वहीं पशुओं के खिलाफ क्रूरता, विदेशों में भारतीय छात्रों के खिलाफ अपराध की घटनाओं और देश में भोजन की बर्बादी जैसे मुद्दों पर चिंता भी जताई गई। शून्यकाल के दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अशोक वाजपेयी ने देश में ईशनिंदा कानून बनाए जाने की मांग उठाई।

उन्होंने कहा कि सौ से अधिक देशों में आस्था का अपमान करने वालों के लिए ईशनिंदा कानून है। उन्होंने कहा कि भारत में सवा सौ करोड़ हिन्दू हैं और वह उदारवादी और सहिष्णु होते हैं लेकिन आए दिन उनकी आस्था पर चोट की घटनाएं देखने को मिलती हैं। वाजपेयी ने कहा कि ऐसी घटनाएं कई दफा सामने आई हैं जिनमें दूसरे धर्मावलंबी हिन्दू देवी-देवताओं के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करते हैं, लेख लिखते हैं और चित्र तक बनाते हैं जिनसे हिन्दू समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचती है लेकिन उनके खिलाफ समुचित दंड का कोई प्रावधान नहीं है।

उन्होंने इसे अत्यंत गंभीर विषय बताया तथा इस क्रम में राजस्थान की एक घटना का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा, मेरी अपील होगी कि देश में ईशनिंदा का कानून बने। धर्म, धर्म के प्रतीकों, धर्म के खिलाफ टिप्पणी, साहित्य या चित्र जैसी कार्रवाई के विरुद्ध कठोर कार्रवाई का प्रावधान हो। बीजू जनता दल (बीजद) की सुलता देव ने पशुओं के खिलाफ होने वाली क्रूरता पर चिंता जताते हुए भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 377 को नयी भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) में शामिल करने की मांग उठाई।

उन्होंने पशुओं के खिलाफ क्रूरता और लैंगिक अत्याचार के कुछ मामलों का उल्लेख किया और कहा कि इस प्रकार की गतिविधियों में लिप्त पाए जाने वालों के खिलाफ कड़ी सजा का प्रावधान किया जाना चाहिए। धारा 377 पशुओं की रक्षा से संबंधित है। 1860 से, आईपीसी की धारा 377 ने जानवरों के यौन शोषण को अपराध घोषित किया गया है। जानवरों को यौन शोषण से बचाने के लिए नए बीएनएस में कोई समानांतर कानून नहीं है।

बीजद के सस्मित पात्रा ने संविधान की प्रस्तावना में 'अहिंसा' शब्द को शामिल किए जाने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने कई अवसरों पर यह मांग उठाई है और राज्य विधानसभा ने इस मांग को लेकर सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया है। बीजद के ही मानस रंजन मंगराल ने बिजली गिरने से लोगों की मौत होने के मामले को उठाया और इसे प्राकृतिक आपदा घोषित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि प्रति वर्ष बिजली गिरने की 2500 के करीब घटनाएं होती हैं और काफी संख्या में लोगों की मौत होती है। उन्होंने कहा कि अधिकतर मौतें ग्रामीण इलाकों में होती हैं। उन्होंने बताया कि चक्रवातीय आशंकाओं के कारण ओडिशा में ऐसी घटनाएं सबसे अधिक होती हैं।

ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के एम थंबी दुरै ने पुडुचेरी और बेंगलुरु के बीच होशूर होते हुए ट्रेन सेवा आरंभ करने की मांग की। उन्होंने कहा कि यह परियोजना लंबे समय से अटकी हुई है जबकि इसका सर्वेक्षण का काम पूरा हो गया गया है और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट भी तैयार की जा चुकी है।

दसवें यंग शेफ ओलंपियाड का हुआ समापन

बेंगलूरु/कोलकाता। दसवें यंग शेफ ओलंपियाड में अजरबेजान ने स्वर्ण, फिलीपींस और नेपाल ने रजत तथा इटली ने कांस्य पदक जीता। फानइल मुकाबला रविवार को कोलकाता में आयोजित किया गया। अजरबैजान की लेयला वलीयेवा ने स्वर्ण ट्रॉफी जीती। रजत फिलीपींस के क्लिफोर्ड जेफ कैडुंगगो उनाबिया और नेपाल के कमल थापा के बीच साझा किया गया। इटली के फ्रांसेस्को ओरसी ने कांस्य पदक जीता। आईआईएचएम दक्षिण भारत की निदेशक संचारी चौधरी ने यह जानकारी दी।

राहुल गांधी असफल हो चुके हैं, उन्हें कोई स्वीकार नहीं कर रहा : पाठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पर तंज करते हुए मंगलवार को कहा कि राहुल असफल हो चुके हैं और उन्हें कोई भी स्वीकार नहीं कर रहा है। पाठक ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा के बारे में पूछे जाने पर कहा, वह न्याय यात्रा नहीं है। वह किनारे-किनारे ही निकल लेंगे। पिछली बार भी किनारे-किनारे ही निकल गए थे। इसे हमारे गांव में कहते हैं... पतली गली से निकल लेना।

उन्होंने कहा, राहुल गांधी पूरी तरह से असफल हो चुके हैं। 'री-लॉन्च' करने का कारण सभी लोग समझते हैं कि वह असफल हो चुके हैं और उन्हें कोई स्वीकार नहीं कर रहा है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की अगुवाई में 14 जनवरी से मणिपुर से शुरू हुई 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' 14 फरवरी को उत्तर प्रदेश में प्रवेश करेगी। इस दौरान राहुल और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की कई रैलियां भी आयोजित की जाएंगी।

उप मुख्यमंत्री ने इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया) के बारे में तंज करते हुए कहा, जब यह गठबंधन बना था तभी मैंने कहा था कि यह नयी 'पैकिंग' में पुराना माल है। यह संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग)- एक और संप्रग-दो में भ्रष्टाचार और कदाचार में आकंठ डूबे रहे लोगों का एक समूह है। यह सत्ता लोभी और कुर्सी के भूखे लोगों का समूह है। देश और प्रदेश की जनता से इनका कोई सरोकार नहीं है।

उन्होंने दावा किया, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में गरीब कल्याण योजनाओं के माध्यम से हम बड़ी संख्या में लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर लाने में सफल हुए हैं और सबसे बड़ी बात यह है कि गरीब कल्याण योजनाओं ने जन-जन का भरोसा जीता है और उनके जीवन स्तर को ऊपर उठाने में भारतीय जनता पार्टी कामयाब हुई है। पाठक ने दावा कि आगामी लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उत्तर प्रदेश की सभी 80 सीट पर प्रचंड बहुमत से जीत हासिल करेगी। उत्तराखंड सरकार द्वारा समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने को लेकर विधानसभा में विधेयक पेश किये जाने पर पाठक ने कहा, भाजपा के संकल्प पत्र में आपने समय-समय पर यूसीसी लागू करने के विचार को देखा होगा। शीघ्र ही आपको सूचना मिलेगी।

रूस में 'इंद्रधनुषी' रंग की वस्तुएं प्रदर्शित करने के आरोप में तीन लोगों को सजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तब्लिन। रूस में समलैंगिक समुदाय 'एलजीबीटीक्यू प्लस' के समर्थन में गतिविधियों को चरमपंथ के रूप में गैरकानूनी घोषित करने वाले अदालत के फैसले के तहत अधिकारियों द्वारा लोगों को दंडित करने का पहला मामला सामने आया है। 'एलजीबीटीक्यू प्लस' समुदाय के प्रतीक माने जाने वाले 'इंद्रधनुषी' रंग की वस्तुओं के प्रदर्शन को लेकर कम से कम तीन लोगों को जेल की सजा हुई है या फिर उन पर जुर्माना लगाया गया है। रूसी मीडिया की रिपोर्ट और अधिकार समूहों से यह जानकारी मिली।

रूस की सरकार ने देश में एलजीबीटीक्यू प्लस गतिविधियों को आंदोलन होने का दावा किया था। पिछले वर्ष नवंबर में उच्चतम न्यायालय ने 'एलजीबीटीक्यू प्लस' समुदाय से संबंधित गतिविधियों को प्रतिबंधित कर दिया था और इसे एक चरमपंथी संगठन करार दिया था। न्यायालय का यह फैसला रूढ़िवादी देश में तेजी से बढ़ रहे 'एलजीबीटीक्यू प्लस' समुदाय के लोगों पर कार्रवाई का हिस्सा था। रूस में तेजी से बढ़ते एलजीबीटीक्यू प्लस समुदाय के लोगों की संख्या के कारण 'पारंपरिक पारिवारिक मूल्यों' को दरकिनार किया जा रहा है, जो राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के 24 साल के शासन की कभी मजबूत कड़ी रहे थे।

रूसी कानून के तहत चरमपंथी संगठनों के प्रतीकों के सार्वजनिक प्रदर्शन पर रोक है। इसके अलावा एलजीबीटीक्यू प्लस अधिकारों की बात करने वाले संगठनों और समूहों को चेतावनी दी गयी थी कि 'इंद्रधनुषी' रंग के झंडे या अन्य वस्तुओं को प्रदर्शित करने पर अधिकारियों द्वारा कार्रवाई की जा सकती है। रूस की स्वतंत्र समाचार साइट 'मीडियाजोन' की खबर के मुताबिक सारातोव की एक अदालत ने सोमवार को एक कलाकार और फोटोग्राफर इना मोसिना को इंस्टाग्राम पर 'इंद्रधनुषी' झंडे दिखाने के आरोप में करीब 16 डॉलर का जुर्माना लगाया। खबर के मुताबिक पिछले सप्ताह एक अदालत ने अनासतासिया येरशोवा को सार्वजनिक रूप से 'इंद्रधनुषी' रंग के कपड़े पहनने के आरोप में पांच दिन की जेल की सजा सुनाई थी। वहीं दक्षिणी मास्को के वोलगोग्राद में एक अदालत ने सोशल मीडिया पर 'इंद्रधनुषी' झंडा कथित तौर पर पोस्ट करने के लिए 11 डॉलर का जुर्माना लगाया था।

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर शुरू होगा 'कुछ रीत जगत की ऐसी है'

मुंबई/वार्ता

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर नया शो कुछ रीत जगत की ऐसी है 19 फरवरी से शुरू होगा। कुछ रीत जगत की ऐसी है शो हमारे समाज को परेशान करने वाली प्रचलित दहेज प्रथा पर प्रकाश डालता है, जिसमें नंदिनी एक शक्तिशाली मांग करती है - मुझे मेरा दहेज वापस चाहिए।

कुछ रीत जगत की ऐसी है के केंद्र में मीरा देओस्थले द्वारा निभाया गया नंदिनी का किरदार है और उनका किरदार महिलाओं के आत्म-सम्मान को अपमानित करने वाली सदियों पुरानी मान्यताओं को चुनौती देते हुए ताकत का प्रतीक है।गुजरात पर आधारित इस शो में नंदिनी अपने मामा-मामी और अपने भाई मीत के साथ रहती है। उसके पास अपनी नैतिकता और मूल्य हैं और वह अपने बड़ों का बहुत सम्मान करती है, लेकिन जब भी वह कुछ गलत होता देखती है तो वह स्टैंड लेने में विश्वास रखती है। इस किरदार को निभाने के बारे में बताते हुए, मीरा देओस्थले ने कहा, मेरा मानना है कि यह एक ऐसी कहानी है जिसे बताया जाना चाहिए, ज्यादा से ज्यादा लोगों को हमारे समाज में मौजूद कुरीतियों पर सवाल उठाने की जरूरत है, और मैं इस तरह के मजबूत किरदार को निभाने के लिए बहुत उत्साहित हूं। मेरा मानना है कि बेटियां प्यार

के लिए होती हैं, दहेज के लिए नहीं, और यही वह स्थायी छाप है जो मैं इस शो में अपने किरदार के साथ बनाना चाहती हूं। नंदिनी को नहीं पता था कि उसकी शादी के समय दहेज का आदान-प्रदान किया गया था। यह शो एक सुखी वैवाहिक जीवन में होने के बावजूद उसकी साहसी यात्रा को दिखाएगा, जिसमें वह अपने ससुराल वालों के खिलाफ खड़े होने का फैसला करती है और कहती है, मुझे मेरा दहेज वापस चाहिये। कुछ रीत जगत की ऐसी है 19 फरवरी को लॉन्च होगा और हर सोमवार से शुक्रवार रात 8.30 बजे सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रसारित होगा।

'चंदू चैंपियन' 14 जून को होगी रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

कार्तिक आर्यन स्टारर अपकमिंग फिल्म 'चंदू चैंपियन' की शूटिंग यूके और महाराष्ट्र के वाई गांव में की गई। फिल्म का निर्देशन कबीर खान ने किया है। फिल्म की शूटिंग लंदन एक्रेटिक्स सेंटर और रॉयल बोटेनिक गार्डन जैसे यूके के खूबसूरत जगहों पर की गई। भारत में, फिल्म में कोयना वाइल्डलाइफ सैंक्चुअरी के पास महाराष्ट्र के वाई गांव के आसपास के लैंडस्केप को दर्शाया गया है, जो फिल्म की कहानी में सुंदर विजुअल्स जोड़ते हैं। हाल ही में कार्तिक आर्यन ने जिम में वर्कआउट करते हुए अपना एक वीडियो शेयर किया, लेकिन, लोग एक्टर को देखने की बजाय उनके बराबर में जिम कर रही उनकी दादी को देख रहे हैं। इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए वर्कआउट वीडियो में कार्तिक 50 किलो के डम्बल उठाते

हुए दिख रहे हैं। वहीं, उनकी दादी को उनके बगल में एक्सरसाइज करते हुए देखा जा सकता है। कार्तिक ने वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, दादी ऑन फायर। मुझ पर फोकस मत करो... बल्कि, मेरे पीछे के चैंपियन पर ध्यान दो, वो हमेशा जिम में वर्कआउट करती हैं और वास्तविक प्रेरणा हैं। 'चंदू चैंपियन' के लिए, एक्टर ने एक प्लेयर के वास्तविक जीवन को प्रदर्शित करने के लिए फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन किया। एक्टर कथित तौर पर भारत के पहले पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता मुरलीकांत पेटकर की भूमिका निभा रहे हैं। मुरलीकांत ने 1972 में जर्मनी के हीडलबर्ग में समर पैरालिंपिक में स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने 50 मीटर फ्रीस्टाइल तैराकी स्पर्धा में 37.33 सेकंड का विश्व रिकॉर्ड बनाया। वह भारतीय सेना में इलेक्ट्रॉनिक्स और मैकेनिकल इंजीनियर्स (ईएमई) कोर में क्राफ्टसमैन रैंक के जवान थे। 1965 में पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध के दौरान उन्हें गोली लगी थी। 'चंदू चैंपियन' का निर्माण साजिद नाडियाडवाला और कबीर खान ने संयुक्त रूप से किया है और यह 14 जून को रिलीज होगी।

10 को होगा फिल्म 'विवाह 3' का टेलिविजन प्रीमियर

मुंबई/वार्ता

प्रदीप पांडेय चिंटू और आम्रपाली दुबे की फिल्म विवाह 3 का टेलिविजन प्रीमियर 10 फरवरी को होगा। फिल्म विवाह 3 का ग्रैंड टेलिविजन प्रीमियर भोजपुरी सिनेमा और दंगल प्ले ऐप पर 10 फरवरी को संध्या 5:00 बजे से किया जा रहा है। फिल्म का प्रसारण रविवार 11 फरवरी को भी सुबह 10:00 बजे से किया जाएगा।फिल्म के निर्माता निशांत उज्ज्वल ने बताया कि विवाह सीरीज की फिल्म को टेलीविजन पर भी खूब प्यार मिलता रहा है। इसके पहले और दूसरे पार्ट को भी खूब सराहा गया था। यह तीसरा पार्ट तो उससे भी धमाकेदार है, जिसके लिए टेलीविजन के दर्शकों को बेसब्री से इंतजार रहा है। वह इंतजार अब खत्म होने वाला है। उन्होंने कहा कि जो दर्शकअभी तक इस फिल्म को नहीं देख पाए हैं और जिन्हें यह फिल्म फिर से देखनी है, उनके लिए यह शनिवार और रविवार एक सुनहरा मौका है। हम अपील करते हैं कि आप सभी शनिवार को शाम 5:00 बजे और रविवार को सुबह 10:00 बजे इस फिल्म को जरूर अपने पूरे परिवार के साथ देखें और भरपूर मनोरंजन करें।

यशी फिल्म्स अभय सिन्हा और रेणु विजय फिल्म्स एंटरटेनमेंट प्रस्तुत फिल्म विवाह 3 के निर्माता निशांत उज्ज्वल हैं और निर्देशक रजनीश मिश्रा हैं। फिल्म विवाह 3 में प्रदीप पांडेय चिंटू और आम्रपाली दुबे के साथ संयुक्ता राय, अवधेश मिश्रा, संजय पांडेय, रोहित सिंह मटरू, सुजान सिंह, अनिता रावत, मनोज द्विवेदी, रजनीश झा, निशा सिंह, अविनाश तिवारी, स्पेशल गाना यामिनी सिंह, अजय कुमार निरहुआ और बबलू खान प्रमुख भूमिकाओं में हैं। सह निर्माता डॉ संदीप व सुशांत उज्ज्वल हैं। छायांकन महेन्द्र शेरला और गीतकार रजनीश मिश्रा, प्रफुल तिवारी और अभिजीत मिश्रा हैं। एक्शन एस मल्हेश और कोरियोग्राफर मोना शेख, मनोज गुप्ता एवं लक्की विश्वकर्मा हैं।

फिल्म 'आंखें' की शूटिंग पूरी

मुंबई/वार्ता

प्रदीप पांडेय चिंटू, यामिनी सिंह और आस्था सिंह की भोजपुरी फिल्म आंखें की शूटिंग पूरी हो गई है।

फिल्म आंखे के निर्देशक सुजीत कुमार सिंह हैं। वहीं, इस फिल्म के निर्माता प्रह्लाद दास गुप्ता और संजय गुप्ता हैं। उन्होंने बताया कि 'आंखें' कमाल की फिल्म बनकर तैयार है। फिल्म का प्री प्रोडक्शन हम मुंबई में करेंगे और जल्द ही फिल्म को रिलीज भी करेंगे। पटकथा से लेकर गाने तकनीक से लेकर प्रेजेंटेशन तक अभूतपूर्व होने वाला है। इस फिल्म में सभी कलाकारों ने अपना हंड्रेड परसेंट दिया है। इससे हमें उम्मीद है की फिल्म दर्शकों को बेहद पसंद आने वाली है। हम दर्शकों से अपील करेंगे कि जब भी यह फिल्म रिलीज हो उसे सिनेमाघर में जाएं और फिल्म को देखकर मनोरंजन करें। इस फिल्म में प्रदीप पांडे चिंटू के बड़े भाई का किरदार आशीष सिंह बंटी ने निभाया है। दोनों की केमिस्ट्री ऑन स्क्रीन दर्शकों को पसंद आएगी।

संकट मोचन फिल्म इंटरनेशनल के बैनर तले बनी भोजपुरी फिल्म आंखें में प्रदीप पांडेय चिंटू, यामिनी सिंह और आस्था सिंह के साथ आशीष सिंह बंटी, रचना यादव, सुशील सिंह, संजय पांडे, श्रद्धा नवल, लोटा तिवारी, बबलू खान, नीलम पांडे, अंशु तिवारी, मिथिलेश, किशोर गुप्ता और अंकुश कहार भी नजर आएंगे। फिल्म की कहानी वीरू ठाकुर की लिखी हुई है। इसका संगीत मधुकर आनंद ने दिया है। फिल्म में एक्शन मल्लेश का देखने को मिलेगा।

आलिया भट्ट ने क्राइम सीरीज 'पोचर' को बताया काफी प्रभावशाली

मुंबई/एजेन्सी

एक्ट्रेस आलिया भट्ट रिची मेहता द्वारा बनाई गई क्राइम सीरीज 'पोचर' में कार्यकारी निर्माता के रूप में नजर आएंगी। उन्होंने कहा कि इसका प्रभाव बेहद व्यक्तिगत था और एमी-पुरस्कार प्राप्त फिल्म निर्माता द्वारा वन्यजीव अपराध के तत्काल मुद्दे का चित्रण उन पर गहरा प्रभाव डालता है। 'पोचर' के लिए कार्यकारी निर्माता के रूप में आने के बारे में बात करते हुए, आलिया ने साझा किया, इस अविश्वसनीय रूप से महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना मेरे और इटरनल सनशाइन प्रोडक्शंस की पूरी टीम के लिए सम्मान की बात है। 'पोचर' का प्रभाव बेहद व्यक्तिगत था और वन्यजीव अपराध के जरूरी मुद्दे पर रिची का चित्रण मुझे और टीम को बहुत पसंद आया।

उन्होंने आगे कहा, कि स्टोरीटेलिंग ने वास्तव में मुझे प्रभावित किया, खासकर यह जानकर कि यह सच्ची घटनाओं पर आधारित है, जो हमारे जंगलों में होने वाले क्रूर अपराधों पर प्रकाश डालती है। मुझे विश्वास है कि 'पोचर' आंखें खोलने का काम करेगी और सभी जीवित प्राणियों के प्रति अधिक दयालु और विचारशील होने का एक शक्तिशाली संदेश देगी।

यह सह-अस्तित्व को अपनाने का आह्वान है। मैं रिची, क्यूसी और प्राइम वीडियो के साथ सहयोग करने और इस नैरेटिव में योगदान करने के लिए वास्तव में रोमांचित हूं। क्राइम थ्रिलर ड्रामा में निमिषा सजयन, रोशन मैथ्यू और दिब्येंदु भट्टाचार्य प्रमुख भूमिकाओं में हैं। मेहता ने सीरीज का निर्माण, लेखन और निर्देशन किया है। 'पोचर' क्यूसी एंटरटेनमेंट के एडवर्ड एच. हैम जूनियर, रेमंड मैन्सफील्ड और सीन मैककिट्रिक द्वारा उपयुक्त पिक्चर्स, पुअर मैन प्रोडक्शंस और इटरनल सनशाइन प्रोडक्शंस के सहयोग से निर्मित कार्यकारी है। 'पोचर' 23 फरवरी से भारत में प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | बुधवार | 07-02-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के जैन श्वेताम्बर महासंघ के तत्वावधान में 'परमात्मा महावीर के 2550 वें निर्वाण कल्याणक महोत्सव' को विशाल रुप से मनाने के उद्देश्य से शहर की विभिन्न संघ संस्थाओं के पदाधिकारियों की बैठक महावीर धर्मशाला सभागार में सम्पन्न हुई।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत के जयपुर प्रवास के दौरान सुमेरपुर विधानसभा क्षेत्र प्रवासी संघ के अध्यक्ष व बेंगलूरु निवासी अश्विन सेमलानी को सम्मानित किया। ज्ञातव्य है कि 26 जनवरी गणतंत्र दिवस पर जिला स्तर पर सेमलानी को सम्मानित करने के लिए चयनीत किया गया था। कैबिनेट मंत्री कुमावत ने सेमलानी को सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया।

परमात्मा महावीर के 2550वें निर्वाण कल्याणक महोत्सव हेतु जैन समाज में हुआ गहन मंथन

तीन-तीन आचार्य की उपस्थिति में विभिन्न पदाधिकारियों ने की चर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जैन श्वेताम्बर महासंघ के तत्वावधान में 'परमात्मा महावीर के 2550 वें निर्वाण कल्याणक महोत्सव' को विशाल रुप से मनाने के उद्देश्य से शहर की विभिन्न संघ संस्थाओं के पदाधिकारियों की बैठक महावीर धर्मशाला सभागार में सम्पन्न हुई। महासंघ के अध्यक्ष गौतम सोलंकी ने सभी का स्वागत किया तथा जीवन में पांच महाव्रत और पांच अणुव्रतों को अपनाने की बात कही। बैठक के संयोजक संघवी तेजराज गुलेच्छा ने बताया कि शहर में उपस्थित तीनों आचार्यश्री अभयशेखरसूरीश्वरजी, आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वरजी और खरतरगच्छाधिपति आचार्यश्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी म. सा. एक मंच पर उपस्थित रहकर परमात्मा महावीर के 2550 वें निर्वाण कल्याणक महोत्सव मनाने की रुपरेखा संबंधित चर्चा और जैन धर्म के उत्थान पर सार्थक चर्चा की। बैठक के संयोजक महावीर मेहता ने बताया कि शहर के विभिन्न सम्प्रदाय मूर्तिपूजक, स्थानकवासी, तेरापंथी श्रावक एक ही सभागार में उपस्थित थे और परस्पर अपने विचार साझा किए।

आचार्यश्री अभयशेखरसूरीश्वरजी ने कहा कि हमें महावीर के सिद्धांतों का प्रचार करने हेतु प्रत्येक मन्दिर के बाहर बैनर लगाए जाएं और मन्दिरों को पिकनिक की जगह नहीं समझें और मर्यादाओं का पालन जरुरी होना चाहिए। सरकार द्वारा जैन धर्म को बढ़ावा देने हेतु भी प्रयास किए जाने चाहिए। जैन समाज द्वारा किए जा रहे कार्यों का पूरा प्रचार हो और समाज की बात सरकार तक बात पहुंचें। हमारे शुभ भावों से ही पुण्य उपार्जन होता है और पुण्य ही सुपर पावर है। प्रभु महावीर के सिद्धांत, सदाचार को अपनाएं और फैलाएं। साथ ही महावीर के 2550 वें निर्वाण कल्याणक के उपलक्ष्य में कम से कम 50 स्कूलों का निर्माण सरकार द्वारा किया जाना चाहिए। आचार्य श्री विमलसागरजी ने कहा कि जैनेतर समाज में महावीर के सिद्धांत फैले उसके लिए परमात्मा महावीर के जीवन चरित्र पर छोटे छोटे नाटक बनाए जाने चाहिए जो सीधे आदमी के दिलों दिमाग में गहरी छाप छोड़े। हर छोटे बड़े शहरों में हिन्दी, इंग्लिश और कन्नड़ में छोटे बड़े नाटक आयोजित किए जाने चाहिए। कन्नड़ भाषा में कल्याणक की जानकारी लिए बैनर लगाए जाएं। हमें हमारे मन में यह बात बैठानी चाहिए कि मैं प्रभु का और प्रभु मेरे हैं। हम अरिहंत प्रभु के प्रति लगाव बढाएं।

खरतरगच्छाधिपति आचार्यश्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी ने अपने प्रवचन में क़हा कि हमें अपने वर्तमान को उस दिशा में ले जाना है जिससे हमारा भविष्य का संवर्धन हो सके। हमारी साम्प्रदायिकता कम हो रही है। सभी सम्प्रदाय एक दिशा में जा रहे हैं, दिखने में ऐसा लगता है। लेकिन कुछ लोग इस एकता को बर्दाश्त नहीं कर सकते हैं। हमें ऐसा रास्ता चुनना है जो हमें अपनी मंजिल तक ले जा सके। समस्त सम्प्रदाय के साधु साध्वी एक मिनिमम एजेंडा तय करें। एक एक करके समस्याओं को तय करके उनका समाधान निकालें। अगर जैन धर्म और संस्कार सुरक्षित रखने है तो सबसे पहले अपने जैन समाज के बच्चों को सिर्फ जैन स्कूलों में ही पढ़ाने का संकल्प करना होगा। ईगो और स्वार्थ को छोड़कर समाज को आगे बढ़ाएं। समाज के आगेवान कहलाने का अधिकारी वही है जो अपने समाज के समस्त सदस्यों को साथ में लेकर चले। समाज के कल्याण के लिए आराधना भी चाहिए और प्रभावना भी चाहिए। हमें अतीत से प्रेरणा लेकर भविष्य का निर्माण करना है।

बैठक में महावीर मेहता ने परमात्मा महावीर के प्रथम गणधर गौतमस्वामी जी के गुणियाजी तीर्थ के जीर्णोद्धार की योजनाओं के बारे में सभी उपस्थित समाज के सदस्यों को बताया और संकुल में बनने वाले सभी भवनों के प्रारूप का अनावरण भी किया। कैलाश संकलेचा ने बैठक में अपना सहयोग प्रदान किया। अखिल भारतीय खरतरगच्छ युवा परिषद बेंगलूरु शाखा और जिनदत्तकुशलसूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल के सदस्यों ने बैठक हेतु अपनी सेवाएं प्रदान की। कार्यक्रम का प्रारंभ यतींद्र भडगतिया और नीतेश बोहरा के स्वागत गीत से हुआ। कार्यक्रम का संचालन राजेंद्र गुलेच्छा ने किया।

मागड़ी रोड सुमतिनाथ जैन मंदिर सह दादावाड़ी प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव

मंदिर में पूरे विधि विधान से हुआ प्रभु प्रतिमा का शक्रस्तव अभिषेक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मागड़ी रोड स्थित सुमतिनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ में सुमतिनाथ जिनालय सह दादावाड़ी, गुरु मंदिर अंजनशलाका प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव व भागवती दीक्षा महोत्सव प्रतिष्ठा निश्रादाता खरतरगच्छाधिपति आचार्यश्री जिनमणिप्रभसूरीजी तथा सान्निध्यता प्रदानकर्ता आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वरजी आदि साधु साध्वियों की उपस्थिति में दूसरे दिन सुबह 6 बजे शक्रस्तव अभिषेक का आयोजन किया जिसमें मुनिश्री मलयप्रभसागरसूरीश्वरजी के निर्देशन में अभिषेक के लाभार्थी उत्तमचन्द, भूपेशकुमार, संयमकुमार गुर्जर परिवार ने पूरे विधि विधान से भाग लिया। इस मौके पर मंदिर की विशेष सजावट की गई। शाम को आंगी सजाई गई जिसका लाभ सुमति मंडल, सुमतिवारी स्मृति महिला मंडल व सुमति श्राविका बहु मंडल के सदस्याओं ने लिया। आंगी के मौके पर सदस्याओं ने नाचकर चंवर झुलाकर प्रभु के दरबार में उपस्थिति दर्ज की। इस मौके पर बड़ी संख्या में पुरुष व महिला श्रद्धालु उपस्थित थे।

देश के लोगों के लिए सेहत, व्यक्तिगत वित्त शीर्ष प्राथमिकता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। देश के लोगों के लिए शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के साथ व्यक्तिगत वित्त इस साल शीर्ष प्राथमिकता वाले क्षेत्र हैं। वैश्विक एकीकृत भुगतान कंपनी अमेरिकन एक्सप्रेस के सर्वेक्षण रिपोर्ट में यह कहा गया है। मंगलवार को जारी सर्वेक्षण रिपोर्ट–'अमेक्स ट्रेंडेक्स' के अनुसार, इसमें शामिल प्रतिभागियों में से सबसे ज्यादा 76 प्रतिशत ने सेहत को प्राथमिकता देने की बात कही है। वहीं 69 प्रतिशत भारतीयों के लिए व्यक्तिगत वित्त दूसरा प्राथमिकता वाला क्षेत्र है।

शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ होने को लेकर 73 प्रतिशत ने कहा कि वे स्वास्थ्यवर्धक खानपान पर ध्यान देंगे जबकि 63 प्रतिशत ने बाहरी गतिविधियां बढ़ाने की बात कही। 51 प्रतिशत लोगों ने अपने घर में कसरत के लिए मशीन लाने की बात कही है। व्यक्तिगत वित्त लक्ष्य के मामले में शीर्ष संकल्पों में बचत बढ़ाना (81 प्रतिशत) और अधिक निवेश करना (75 प्रतिशत) शामिल हैं। अमेरिकन एक्सप्रेस बैंकिंग कॉर्प के भारत के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और क्षेत्रीय प्रबंधक संजय खन्ना ने कहा, भारतीय और वैश्विक प्रतिभागी नये साल के संकल्पों में अपनी शारीरिक सेहत को लेकर गंभीर हैं। लगभग 76 प्रतिशत भारतीय और 75 प्रतिशत विदेशी नागरिकों ने इसे प्राथमिकता वाला क्षेत्र बताया।

उन्होंने कहा, जहां तक व्यक्तिगत वित्त की बात है 69 प्रतिशत भारतीय व्यक्तिगत वित्त के लक्ष्यों को लेकर गंभीर हैं, जबकि ऐसे वैश्विक प्रतिभागियों का प्रतिशत 51 है। रिपोर्ट के अनुसार, लोग मानसिक स्वास्थ्य को लेकर भी सचेत हैं। पिछले साल के मुकाबले 80 प्रतिशत भारतीय काम पर अपने मानसिक स्वास्थ्य को अधिक प्राथमिकता दे रहे हैं। इसमें काम और जीवन के बीच संतुलन (67 प्रतिशत), लचीला कार्य विकल्प (61 प्रतिशत) और सहयोगात्मक कार्य वातावरण (60 प्रतिशत) नौकरी में संतुष्टि के प्रमुख तत्व हैं।

सर्वेक्षण में यह बात भी सामने आई कि भारतीय पर्यावरण अनुकूल उपायों पर भी ध्यान दे रहे हैं। 59 प्रतिशत भारतीयों की प्लास्टिक या एक बार उपयोग वाले उत्पादों का कम उपयोग करने योजना है। वहीं 58 प्रतिशत भारतीय घर पर अपनी पुनर्चक्रण को लेकर आदतों में सुधार लाने को इच्छुक हैं। यह सर्वेक्षण छह दिसंबर से 20 दिसंबर, 2023 के बीच अमेरिकी, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, ब्रिटेन, जापान, मेक्सिको और भारतीय लोगों बीच 'ऑनलाइन' किया गया। इसमें 6,700 से अधिक लोगों को शामिल किया गया।

'बटरफ्लाई प्री-स्कूल' के बच्चों ने वार्षिकोत्सव में दिखाई अपनी अपनी प्रतिभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के महावीर जैन शिक्षण संघ के तत्वावधान में संचालित बटरफ्लाई प्री स्कूल के बच्चों ने बीबीयूएल जैन विद्यालय के प्रांगण में वार्षिकोत्सव मनाया। प्राचार्य दीपिका गांधी ने बताया कि बटरफ्लाई प्री स्कूल चामराजपेट व कुमारापार्क में चल रहा है। इस वार्षिकोत्सव में प्लेस्कूल से यूकेजी के बच्चों ने संस्कार आधारित नाटक, गीत व नृत्य आदि की प्रस्तुति दी।

स्कूल के बच्चों ने अपने वार्षिकोत्सव में अपनी प्रतिभा दिखाई। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रुप में बीबीयूएल संघ के अध्यक्ष चम्पालाल भंडारी, उपाध्यक्ष हेमराज जैन, प्राचार्य अनीता कश्यप, उपप्रचार्य वाणी आदि इस वार्षिकोत्सव व दीक्षांत समारोह में उपस्थित थे। कार्यकम में सभी विजेता बच्चों को पुरस्कार दिए गए।

शाह और नड्डा ने की आडवाणी से मुलाकात, 'भारत रत्न' के लिए बधाई दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने मंगलवार को पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी से मुलाकात की और 'भारत रत्न' से सम्मानित किए जाने की घोषणा के मद्देनजर उन्हें बधाई दी। शाह ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि देश की सांस्कृतिक विरासत, राजनीति और प्रगति में आडवाणी ने अमूल्य योगदान दिया है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आडवाणी जी को भारत रत्न देने का निर्णय लेकर उनके अथक संघर्षों और योगदान को सम्मानित करने का काम किया है। आडवाणी जी को भारत रत्न मिलने की घोषणा के पश्चात आज उनसे भेंट कर शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने कहा, आडवाणी जी ने देश की सांस्कृतिक विरासत, राजनीति और प्रगति में अमूल्य योगदान दिया है। उनके किये गए कार्य हम सब के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। भाजपा अध्यक्ष नड्डा ने भी आडवाणी से मुलाकात की।

उन्होंने कहा, भाजपा के वरिष्ठ नेता, हमारे आदर्श लालकृष्ण आडवाणी जी को 'भारत रत्न' दिए जाने के निर्णय के उपरांत आज उनके आवास पर आत्मीय भेंट कर शुभकामनाएं दीं। भारतीय लोकतंत्र व राजनीति को सशक्त, शुचितापूर्ण व श्रेष्ठ बनाने में आडवाणी जी का योगदान अविस्मरणीय है। नड्डा ने कहा कि राष्ट्रप्रेम व जनसेवा की प्रबल भावना का सृजन जन–जन में साकार करने के लिए किए गए उनके कार्य भाजपा के कोटिशः कार्यकर्ताओं को सदैव प्रेरणा प्रदान करते हैं।

आडवाणी को शनिवार को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' से सम्मानित किये जाने की घोषणा की गई थी। इसके बाद से भाजपा के तमाम नेताओं समेत विभिन्न क्षेत्र के लोग आडवाणी को बधाई दे रहे हैं।

भाजपा ने सोशल मीडिया पर मुद्रा योजना के फायदे गिनाती एक लघु फिल्म जारी की

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर विभिन्न भारतीय भाषाओं में एक लघु फिल्म जारी की जिसमें मुद्रा योजना के फायदों को रेखांकित किया गया है। इस योजना के तहत छोटे उद्यमियों को ऋण दिए जाते हैं। इस फिल्म में इस योजना का लाभ पाने वालों में 70 प्रतिशत महिलाएं हैं और जो नौकरियों की आकांक्षी थी, लेकिन अब नौकरियां दे रही हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी इस अभियान में शामिल हुए और उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि इस योजना ने न केवल उद्यमिता को बढ़ावा दिया है, बल्कि करोड़ों लोगों के जीवन में आश्चर्यजनक बदलाव भी किए हैं। उन्होंने कहा, मुझे यह देखकर भी बहुत संतोष होता है कि माताओं और बहनों के अलावा योजना के लाभार्थियों में एससी (अनुसूचित जाति), एसटीसी (अनुसूचित जनजाति) और ओबीसी(अन्य पिछड़ा वर्ग) की संख्या सबसे अधिक है। भाजपा ने कहा कि इस योजना के तहत 40 करोड़ से अधिक जमानत मुक्त ऋण दिए गए हैं। पार्टी ने कहा, जो लोग नौकरी चाहते थे, वे अब नौकरियां दे रहे हैं।

विभिन्न टीम बिल्डिंग गतिविधियों से किशोर मंडल विजयनगर को मिला बल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ युवक परिषद विजयनगर के निर्देशन में किशोर मंडल के सदस्यों के लिए एक दिनी टीम बिल्डिंग गतिविधियां आयोजित की गई। तेयुप अध्यक्ष राकेश पोखरणा ने सबका स्वागत किया तथा कहा कि मुनिश्री दीपकुमारजी एवं काव्यकुमारजी के मार्गदर्शन और प्रेरणा से विजयनगर किशोर मंडल की नींव मजबूत हुई है।

किशोर मंडल प्रभारी विकास बाँठिया के अथक प्रयास से आज विजयनगर किशोर मंडल संघ की हर गतिविधि में निरंतर सक्रिय भागीदारी के साथ अपना सहयोग प्रदान कर रहे है। किशोर मंडल प्रभारी एवं उपाध्यक्ष विकास बांठिया ने किशोर मंडल टीम को टीम बिल्डिंग एक्टिविटीज से बेहतर तालमेल एवं परस्पर सहयोग की भावना को पुष्ट करने का जरिया बताया। प्रतिभागी किशोरों ने विभिन्न गेम्स जैसे क्रिकेट, रोप क्लाइंबिंग, फुश बाल, वॉलीबॉल, स्विमिंग,एवं विभिन्न टीम बिल्डिंग गतिविधियों में सक्रियता से भाग लिया। इस अवसर पर तेयुप विजयनगर के मंत्री कमलेश चोपड़ा, सहमंत्री रौनक चौरडिया, संगठनमंत्री पवन बैद सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

जीवन में संगति का बहुत असर होता है : आचार्य महेन्द्रसागरसूरी

हासन/दक्षिण भारत। शहर के आदिनाथ जैन श्वेताम्बर संघ में विराजित आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि जीवन में संगति का बहुत असर होता है। हम जिस परिवेश में रहते हैं हमारे सोच भी उसी तरह की हो जाती है। संकीर्णता के संसार में सोच की संकीर्ण हो जाती है। व्यक्ति को चाहिए कि वह सकारात्मक सोच व विचार के साथ जीवन में आगे बढ़े और अपने साथ साथ समाज का भी विकास करे।

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com